राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
लोक शक्ति

आरबीआई के पूर्व गवर्नर उर्जित पटेल को आईएमएफ में मिली बड़ी जिम्मेदारी, बने एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर

इंदौर-नागपुर सहित कई वंदे भारत एक्सप्रेस की बढ़ी डिमांड, व्यस्त मार्गों पर 7 ट्रेनों में बढ़े कोच

RNI Regn. No.7789/1964 | वर्ष-61 > अंक - 245 | रायपुर | शनिवार 30 अगस्त 2025 विक्रम संवत 2082 | पृष्ठ 8 > मूल्य : 2 रू. | डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

भारत-जापान के बीच अहम समझौते

जापान के रॉकेट से लॉन्च होगा चंद्रयान-5

नईदिल्ली,एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने शुक्रवार को अहम समझौतों को अंतिम रूप दिया. दोनों नेताओं ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में द्विपक्षीय संबंधों को नई ऊंचाई देने का संकल्प जताया. पीएम मोदी ने कहा कि भारत और जापान न केवल दो बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं, बल्कि जीवंत लोकतंत्र भी हैं. ऐसे में उनकी साझेदारी वैश्विक शांति और स्थिरता के लिए अहम है. मोदी ने बताया कि अगले दस वर्षों में जापान से 10 ट्रिलियन येन निवेश आकर्षित करने का लक्ष्य तय किया गया है. दोनों देशों ने आर्थिक सुरक्षा सहयोग पहल शुरू करने और सतत ईंधन पहल तथा बैटरी सप्लाई चेन साझेदारी को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई.

भारत-जापान साझेदारी विश्वशांति के लिए जरूरी: जापान के प्रधानमंत्री

जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने कहा कि भारत पूरी दुनिया में बदलाव ला रहा है। जापान उन्नत तकनीक का भी दावा कर सकता है, जो विश्व के विकास का नेतृत्व कर रहा है। जब हम जापान और भारत के संबंधों को आगे बढ़ाने के बारे में सोचते हैं, तो हमें अपनी चुनौतियों का समाधान पाने और एक-दूसरे की मदद करने के लिए एक-दूसरे की ताकत का लाभ उठाने की जरूरत है। जापान और भारत मौलिक मूल्यों को साझा करते हैं और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में हमें स्वतंत्र और खुले अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था आधारित कानून के शासन को बनाए रखने की जरूरत है। जैसा कि हम अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों में बढ़ती अस्पष्टता देखते हैं।

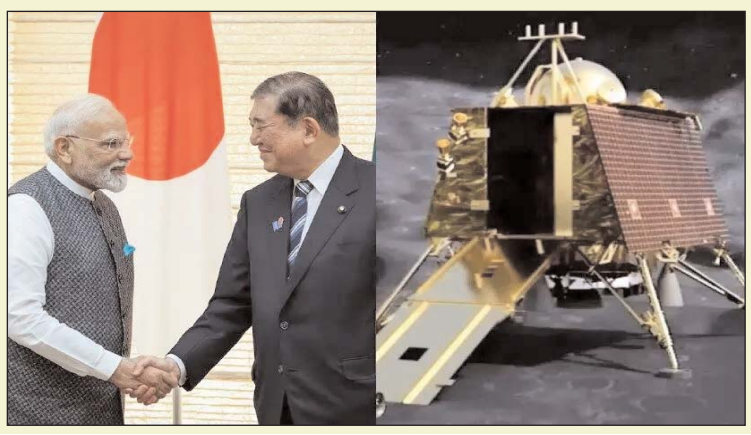

डिजिटल पार्टनरशिप 2.0, एआई कोऑपरेशन इनिशिएटिव, सेमीकंडक्टर्स और रेयर अर्थ मिनरल्स को साझा एजेंडे में शीर्ष प्राथमिकता दी गई है. पीएम मोदी ने कहा कि इन पहलों से भारत-जापान की साझेदारी न केवल आर्थिक व तकनीकी दृष्टि से मजबूत होगी, बल्कि विश्व शांति और विकास की दिशा में भी नई राह खोलेगी।

इस मौके पर जापानी प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने भारत से अपने गहरे जुड़ाव को याद किया. उन्होंने कहा, 'छह साल पहले अगस्त में मुझे वाराणसी जाने का अवसर मिला था।

बिहार : हर परिवार की एक महिला को मिलेंगे 10 हजार रुपये, किया बड़ा ऐलान

पटना एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से ठीक पहले, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्य की महिला मतदाताओं को साधने के लिए एक बड़ा ऐलान किया है। कैबिनेट बैठक में नीतीश सरकार ने 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' को मंजूरी दे दी। इस योजना के तहत, बिहार के हर परिवार की एक महिला को रोजगार शुरू करने के लिए 10 हजार रुपये की पहली किस्त दी जाएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने खुद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी और बताया कि यह राशि सितंबर 2025 से ही महिलाओं के बैंक खातों में ट्रांसफर होनी शुरू हो जाएगी, जो चुनाव की तारीखों के ऐलान से पहले एक बड़ी सौगात मानी जा रही है।

पीएम मोदी पहुंचे जापान... गायत्री मंत्र, राजस्थानी पोशाक में हुआ स्वागत

जापानी महिलाएं राजस्थानी पोशाक में पीएम का स्वागत करती हुई

मोदी और उनकी मां को अपशब्द के लिए माफी मांगें राहुल गांधी' : शाह

एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को बिहार में विपक्षी गठबंधन के एक कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी मां के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक शब्दों के इस्तेमाल की घटना की निंदा की। शाह ने कहा, 'कांग्रेस नेताओं ने अपनी 'घुसपैठिया बचाओ यात्रा' के दौरान प्रधानमंत्री मोदी की मां के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करके बेहद निंदनीय कृत्य किया है। मैं इसकी निंदा करता हूं। हर कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपमानजनक शब्द कहे हैं।' शाह ने कहा, 'दो दिन पहले जो हुआ, उससे सभी को दुख पहुंचा है। पीएम मोदी की मां ने एक गरीब घर में जीवन जिया, अपने बच्चों को मूल्यों के साथ पाला और अपने बेटे को एक भरोसेमंद नेता बनाया। ऐसे जीवन के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करना भारत की जनता कभी बर्दाश्त नहीं कर सकती। राजनीतिक जीवन में इससे बड़ी कोई गिरावट नहीं हो सकती और मैं इसकी कड़ी निंदा करता हूं।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं राहुल गांधी से आग्रह करना चाहता हूं कि अगर उनमें जरा भी शर्म बची है, तो उन्हें पीएम मोदी, दिवंगत मां और देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। ईश्वर सभी को सदबुद्धि दे।'

भारत का टैलेंट और जापान की टेक्नोलॉजी मिलकर देंगे रिवोल्यूशन को नई दिशा

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 29 अगस्त 2025 को जापान की राजधानी टोक्यो में आयोजित भारत-जापान आर्थिक फोरम को संबोधित किया। इंडिया-जापान इकोनॉमिक फोरम के इस मंच से प्रधानमंत्री मोदी ने एक बार फिर साफ कर दिया कि आने वाला समय भारत और जापान की मिलीजुली ताकत से तय होगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि जापान की टेक्नोलॉजी और भारत का टैलेंट मिलकर इस सदी के टेक्नोलॉजिकल रिवॉल्यूशन का नेतृत्व कर सकते हैं। भारतीय उद्योग परिसंघ और कीदानरेन (जापान व्यापार महासंघ) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा और भारत-जापान बिजनेस लीडस फोरम के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों

सहित दोनों देशों के उद्योग जगत कई दिग्गज शामिल हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने यहां कहा कि भारत और जापान की साझेदारी सिर्फ व्यापार की नहीं, भरोसे और भविष्य की है। एक तरफ जापान के पास अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी है चाहे वो रोबोटिक्स हो, सेमीकंडक्टर्स या क्लीन एनर्जी। दूसरी तरफ भारत के पास वो युवा टैलेंट है जो दुनिया के किसी भी इनोवेशन को जमीन पर उतार सकता है। उन्होंने साफकहा कि जापान टेक्नोलॉजी का पावरहाउस है और भारत टैलेंट का पावरहाउस। ऐसे में दोनों देशों की साझेदारी सिर्फ लाभदायक नहीं, बल्कि निर्णायक भी साबित हो सकती है।

टेक्नोलॉजी के साथ-साथ प्रधानमंत्री मोदी ने ग्रीन एनर्जी, नेक्स्ट-जेन इंफ्रास्ट्रक्चर, और स्किल डेवलपमेंट को भी साझेदारी के प्रमुख क्षेत्र बताया। उन्होंने बताया कि भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी और 2047 तक 100 गीगावाट न्यूक्लियर एनर्जी के लक्ष्य तय किए हैं। ऐसे में जापान के साथ मिलकर क्लीन और ग्रीन फ्यूचर की ओर तेजी से बढ़ा जा सकता है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि भारत और जापान की साझेदारी रणनीतिक ही नहीं, स्मार्ट भी है। उन्होंने कहा कि दुनिया अब भारत को सिर्फ देख नहीं रही, बल्कि उस पर भरोसा कर रही है। और भारत, जापान के लिए एक ऐसा स्प्रिंगबोर्ड बन सकता है जिससे वह ग्लोबल साउथ तक पहुंच बना सके।

पीएम मोदी को मां की गाली देने वाला शख्स गिरफ्तार, राहुल गांधी की यात्रा के मंच से की थी अभद्रता

एजेंसी। दरभंगा ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मां को गाली देने के मामले में बिहार पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। मुख्य आरोपी मोहम्मद रिजवी उर्फ राजा को दरभंगा जिले से गिरफ्तार कर लिया गया है। रिजवी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान एक स्वागत मंच से प्रधानमंत्री के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल किया था, जिसका वीडियो वायरल होने के बाद पूरे देश में सियासी बवाल मच गया था। रिपोर्ट्स के अनुसार, सिमरी थाने में दर्ज एफआईआर के आधार पर पुलिस ने गुरुवार देर रात छापेमारी कर आरोपी रिजवी को गिरफ्तार किया। रिजवी दरभंगा के सिंहवाड़ा थाना क्षेत्र के भोपुरा गांव का रहने वाला है। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर रही है ।

फोटो केप्शन : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जापान में भव्य और ऐतिहासिक स्वागत किया गया है। शुक्रवार, 29 अगस्त को जापान की राजधानी टोक्यो पहुंचने उनका बेहद गर्मजोशी से स्वागत किया। होटल में पारंपरिक भारतीय नृत्य और संगीत की प्रस्तुति भी हुई। इनमें कई जापानी कलाकारों ने भी भाग लिया।

अर्थव्यवस्था | ट्रंप टैरिफके टेंशन से बेपरवाह

भारतीय इकोनॉमी का धमाल, 7.7 प्रतिशत का लगाया जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली.

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ टेंशन के बीच भारत ने शानदार प्रदर्शन किया है. चालू वित्त वर्ष के दौरान देश की जीडीपी 7.8 प्रतिशत की दर से बढ़ी है, जो अनुमान से कहीं ज्यादा है. ऐसा अनुमान लगाया गया था कि पहली तिमाही के दौरान जीडीपी 6.7 प्रतिशत रह सकती है. अगर पिछले साल की बात करें तो जीडीपी ग्रोथ 6.5 प्रतिशत था. पिछले वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में यह जीडीपी ग्रोथ बढ़कर 7.4 प्रतिशत पर आ गया था.

इसलिए आयी तेजी - ऐसा कहा जा रहा है कि भारतीय इकोनॉमी में इस शानदार शुरुआत के पीछे सरकार खर्च में जबरदस्त इजाफा और सेवा क्षेत्र में तेजी है. शुक्रवार

को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मुख्य रूप से कृषि क्षेत्र के अच्छे प्रदर्शन के कारण जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर बढ़ी है. भारत सबसे तेजी से बढने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है, क्योंकि अप्रैल-जून में चीन की जीडीपी वृद्धि 5.2 प्रतिशत रही थी.

रफ्तार में विनिर्माण और कृषि क्षेत्र

आंकड़ों के अनुसार, इससे पहले उच्चतम जीडीपी वृद्धि 2024 के जनवरी-मार्च में 8.4 प्रतिशत थी. राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार, कृषि क्षेत्र में 3.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जो 2024-25 की अप्रैल-जून तिमाही में 1.5 प्रतिशत थी. वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में विनिर्माण क्षेत्र की वृद्धि दर मामूली रूप से बढ़कर 7.7 प्रतिशत हो गई, जबकि एक साल पहले इसी तिमाही में यह 7.6 प्रतिशत थी. जाहिर है, जिस तरह से ट्रंप की तरफ से भारत के ऊपर 50 प्रतिशत का भारी भरकम टैरिफ लगाया है और इसने एक नई चुनौती पैदा कर दी है, ऐसे में आर्थिक मोर्चे पर जरूर ये आंकड़े सरकार को थोड़ी राहत देगी. साथ ही, अब टैरिफ का मुकाबला करने के लिए अन्य विकल्प पर जल्द आगे कदम भी बढ़ाना होगा।

भारत-यूएस व्यापार वार्ता खटाई में, भारत का कड़ा रुख, कहा - पहले शुल्क हटाए अमेरिका

एजेंसी

वाशिंगटन एजेंसी । भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच बहुप्रतीक्षित व्यापार वार्ता एक बार फिर गहरे संकट में फँस गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दबाव बनाने की रणनीति के आगे भारत ने झुकने से इनकार कर दिया है। भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक अमेरिका भारतीय उत्पादों पर लगाया गया 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क वापस नहीं लेता, तब तक किसी भी तरह की औपचारिक वार्ता आगे नहीं बढ़ेगी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने एक रिपोर्ट में इस जानकारी की पुष्टि की है। सूत्रों के मुताबिक, अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधिमंडल को बातचीत के अगले दौर के लिए 25 अगस्त को नई दिल्ली आना था, लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप के हस्तक्षेप के बाद यह यात्रा अचानक रद्द

कर दी गई। ट्रंप ने भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने को एक बड़ी बाधा बताते हुए कहा है कि जब तक इस मुद्दे का समाधान नहीं होता, तब तक कोई भी व्यापार समझौता संभव नहीं है।

अधिकारी ने स्पष्ट किया कि दोनों देशों के बीच संवाद पूरी तरह से बंद नहीं हुआ है, केवल 25 अगस्त की वार्ता स्थगित की गई है। उन्होंने कहा, फिलहाल हम किसी व्यापार समझौते पर बातचीत नहीं कर रहे हैं, लेकिन संवाद जारी है। किसी भी समझौते पर आगे बढ़ने से पहले अमेरिका को 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क के मुद्दे पर विचार करना होगा। यदि यह शुल्क बना रहता है तो किसी भी व्यापार समझौते का हमारे निर्यातकों को कोई लाभ नहीं मिलेगा। गौरतलब है कि 6 अगस्त को राष्ट्रपति ट्रंप ने घोषणा की थी कि भारत द्वारा रूस से कच्चे तेल के आयात पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा। उन्होंने इसे अमेरिकी हितों के विरुद्ध एक कदम बताया, जिसने एक संतुलित व्यापार समझौते की संभावनाओं को कमजोर किया है।

भारत और अमेरिका पिछले कई वर्षों से एक व्यापक व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने का प्रयास कर रहे हैं, जिसमें कृषि, सूचना प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। हालांकि, शुल्कों और आयात-निर्यात से जुड़ी शर्तों पर असहमति के कारण यह बातचीत बार-बार बाधित हुई है। इससे पहले 2019 में भी दोनों देशों के बीच शुल्क विवाद उस समय बढ़ गया था, जब अमेरिका ने भारत को अपनी जनरलाइज्ड सिस्टम ऑफ प्रेफरेंसेज (GSP) सूची से हटा दिया था, जिसके जवाब में भारत ने भी कई अमेरिकी उत्पादों पर जवाबी शुल्क लगा दिए थे।

ओपिनियन पोल : बिहार में बीजेपी की बढ़ेंगी सीटें एनडीए की बनेगी सरकार!

एजेंसी

बिहार में साल के अंत तक होने वाले विधानसभा चुनावों में ना तो राहुल गांधी की मटन-बिरयानी और ना ही तेजस्वी की दाल गलने वाली है। वोट अधिकार यात्रा राहुल-तेजस्वी निकाल रहे हैं, लेकिन बिहार की जनता-जनार्दन तो एनडीए गठबंधन की वोटों से झोली भरने वाली है। आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए टाइम्स नाउ-जेवीसी जनमत सर्वेक्षण के अनुसार एनडीए 243 सदस्यीय विधानसभा में 136 सीटें जीतने की ओर अग्रसर है, जबकि राष्ट्रीय जनता दल के नेतृत्व वाला महागठबंधन, जिसमें कांग्रेस और वामपंथी दल शामिल हैं, राज्य में 75 सीटों तक सीमित रह सकता है, जहां बहुमत का आंकड़ा 122 है। दरअसल, बिहार की जनता महागठबंधन में शामिल दलों का बिहार में जंगलराज देख चुकी है। इसलिए एक बार फिर पीएम मोदी की ताल में ताल मिलाते हुए राज्य में डबल इंजन सरकार ही चाहती है।

टाइम्स नाउ-जेवीसी जनमत सर्वेक्षण के अनुसार भारतीय जनता पार्टी, जनता दल (यूनाइटेड) और अन्य दलों का राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन एक और कार्यकाल के लिए सत्ता में आ सकता है। इस जनमत सर्वेक्षण में सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए पांच साल पहले के चुनावों की तुलना में बड़ी जीत की भविष्यवाणी की गई है। हालांकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जद (यू) को हल्का झटका लग सकता है। क्योंकि जनमत सर्वेक्षण में 29 सीटों पर जीत और 2 पर बढ़त की भविष्यवाणी की गई है, जिससे इसकी अनुमानित संख्या अधिकतम 31 सीटों तक पहुंच सकती है।

लोकशक्ति www.lokshakti.in

81.00 लाख रूपये के 30 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की त्वरित पहल से ग्राम कामारीमा के वार्ड क्रमांक 11 में पुनः बहाल हुई विद्युत आपूर्ति

बीजापुर। उत्तर बस्तर डिवीजन अंतर्गत सब डिवीजन ब्यूरो इंचार्ज DVCM-01, कंपनी नम्बर 02 सदस्य- 05, ACM-02, प्लाटून पार्टी सदस्य- 04, एरिया कमेटी पार्टी सदस्य- 05, एरिया कमेटी PLGA सदस्य- 01, सीएनएम सदस्य-02, जनताना सरकार उपाध्यक्ष-01, जनताना सरकार सदस्य- 05, मिलिशिया प्लाटून सदस्य- 02, DAKMS सदस्य- 02 कुल 81.00 लाख रूपये के 20 ईनामी माओवादी सहित 30 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण।

के0के0 सब डिवीजन ब्यूरो इंचार्ज ने सपत्निक किया आत्मसमर्पण, पारिवारिक और खुशहाल जीवन जीने की आशा में किया सपत्निक समर्पण। अंदरूनी क्षेत्रों में नवीन सुरक्षा कैम्प की स्थापना के साथ शासन की विकासोन्मुखी कार्य सड़कों का विस्तार, परिवहन की सुविधा, पानी, बिजली एवं शासन की अन्य जनकल्याणकारी योजना ग्रामीणों तक पहुंचने लगी है। सुरक्षा बलों का ग्रामीणों के साथ हो रहे सकारात्मक संवाद, सामुदायिक पुलिसिंग के तहत् दी जा रही जनकल्याकारी योजनाओं की जानकारी एवं छ0ग0 शासन की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के व्यापक प्रचार प्रसार से माओवादियो का संगठन से मोहभंग हुआ है। संगठन के विचारों से हुआ मोहभंग और मिली निराशा एवं संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेद, समाज की मुख्यधारा में जुड़कर सुरक्षित पारिवारिक जीवन जीने की चाह के चलते किये आत्मसमर्पण। 1 जनवरी 2025 से अब तक माओवादी घटना में शामिल 331 माओवादी गिरफ्तार हुए, 307 माओवादियो ने आत्मसमर्पण किया एवं जिले में अलग-अलग मुठभेड़ में कुल 132 माओवादी मारे गए है । इस प्रकार 01 जनवरी 2024 से अब तक माओवादी घटना में शामिल 834 माओवादी गिरफ्तार हुए, 496 माओवादियो ने आत्मसमर्पण किया एवं जिले में अलग-अलग मुठभेड़ में कुल 190 माओवादी मारे गए है। छत्तीसगढ़ शासन एवं भारत सरकार की मंशानुरूप नक्सल उन्मूलन हेतु जिले में चलाये जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत डीआरजी, जिला बल, एसटीएफ कोबरा व केरिपु बल के द्वारा किये जा रहे संयुक्त प्रयासो से तथा छ0ग0 शासन की पुनर्वास एवं आत्मसर्पण नीति, साथ ही छ0ग0 शासन द्वारा चलाये जा रहे नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर उत्तर बस्तर डिवीजन अंतर्गत सब डिवीजन ब्यूरो इंचार्ज DVCM-1, कंपनी नम्बर 02 सदस्य - 05 ACM-02 प्लाटून पार्टी सदस्य- 04, एरिया कमेटी पार्टी सदस्य- 05, एरिया कमेटी PLGA सदस्य-01, सीएनएम सदस्य-02, जनताना सरकार उपाध्यक्ष-01, जनताना सरकार सदस्य-05, मिलिशिया प्लाटून सदस्य-02, DAKMS सदस्य 02 कुल 30 माओवादियों ने आज दिनांक 27/08/2025 को उप पुलिस महानिरीक्षक, दंतेवाड़ा रेंज दंतेवाड़ा श्री कमलोचन कश्यप, उप महानिरीक्षक केरिपु सेक्टर बीजापुर श्री बी0एस0नेगी, पुलिस अधीक्षक बीजापुर डॉ0 जितेन्द्र कुमार यादव, कमांडेंट 199 बटालियन केरिपु श्री आनंद कुमार, कमांडेंट 170 बटालियन केरिपु श्री सरकार राजा रमन, कमांडेंट 85 बटालियन केरिपु श्री सुनील कुमार राही, कमांडेंट 202 कोबरा श्री अमित कुमार, अति0 पुलिस अधीक्षक बीजापुर श्री रविन्द्र कुमार मीणा, अति0 पुलिस अधीक्षक श्री अमन कुमार झा, अति0पुलिस अधीक्षक श्री यूलैण्डन यार्क, उप पुलिस अधीक्षक श्री घनश्याम कामड़े, उप पुलिस अधीक्षक डीआरजी श्री विनीत साहू, उप पुलिस अधीक्षक नक्सल ऑप्स श्री सुदीप सरकार, उप पुलिस अधीक्षक श्री रोशन आहुजा के समक्ष आत्मसमर्पण किये ।01. सोनू हेमला ऊर्फ कोरोटी पिता आयतू हेमला उम्र 38 वर्ष जाति मुरिया निवासी बोड़लापुसनार तालाबपारा थाना बीजापुर जिला बीजापुर, पदनाम- डीव्हीसीएम (केके सब डिवीजन ब्यूरो इंचार्ज), ईनाम राशि 08.00 लाख रूपये, वर्ष 2003 से सक्रिय ।02. कल्लू पूनेम ऊर्फ रंजीत पिता दुला पूनेम उम्र 28 वर्ष जाति मुरिया निवासी पुसनार बडडेपारा थाना गंगालूर जिला बीजापुर, पदनाम- पीपीसीएम (कंपनी नम्बर 02), ईनाम- 08.00 लाख रूपये, वर्ष 2011 से सक्रिय। 03. कोसी कुंजाम पिता आयतू उम्र 28 वर्ष जाति मुरिया निवासी डुवल नेण्ड्रा मेटापारा थाना गंगालूर जिला बीजापुर छ0ग0 पदनाम ङ्क पीपीसीएम (कंपनी नम्बर 02), ईनाम - 08 लाख रूपये , वर्ष 2011 से सक्रिय।

ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री के प्रति जताया आभार

जशपुरनगर । मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की पहल पर विकासखंड बगीचा, ग्राम कामारीमा के वार्ड क्र. 11 में खराब ट्रांसफार्मर के कारण ठप पड़ी बिजली आपूर्ति पुनः बहाल हो गई है। बिजली संकट झेल रहे ग्रामीणों को इससे बड़ी राहत मिली है। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की है।

उल्लेखनीय है कि विकासखंड बगीचा , ग्राम कामारीमा के वार्ड क्र. 11 (नागेशिया पारा) में अधिकांश आबादी पहाड़ी कोरवा समुदाय की है। यहां के ग्रामीणों ने कैंप कार्यालय को अवगत कराया कि ट्रांसफार्मर खराब होने की वजह से बिजली की आपूर्ति बाधित है। इससे उन्हें कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बरसात के दिनों में विषैले जीवों का खतरा भी बना रहता है। कैंप कार्यालय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की, जिसके तहत विद्युत विभाग द्वारा ग्राम कामारीमा के वार्ड क्र. 11 (नागेशिया पारा) में ट्रांसफार्मर बदल दिया गया। इससे बिजली आपूर्ति सुचारू रूप से बहाल हो गई है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा बगिया में स्थापित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय में जनसमस्याओं का तत्परता के साथ समाधान किया जाता है। विशेषकर बिजली, पानी और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से संबंधित समस्याओं पर प्राथमिकता से कार्रवाई की जा रही है।

पंडरिया में मारपीट और गाली-गलौज करने वाले 3 आरोपी पुलिस की त्वरित कार्रवाई में गिरफ्तार

पंडरिया। दिनांक 24/08/2025 को प्रार्थी अरुण चंद्रसेन पिता सूरज शरण चंद्रसेन, निवासी वार्ड क्रमांक 4, महामाया चौक, पंडरिया द्वारा थाना पंडरिया में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दोपहर लगभग 14:30 बजे वह अपने मित्र नवीन यादव के साथ सरकारी अस्पताल जा रहा था। इसी दौरान पंडरिया बांधा तालाब स्थित शिव मंदिर के पास सामने से आ रहे मोटरसाइकिल सवार सूरज ने उसकी मोटरसाइकिल को ठोकर मार दी। घटना के बाद सूरज ने अपने साथियों कुणाल और छोटा के साथ मिलकर प्रार्थी के साथ अश्लील गाली-गलौज की, जान से मारने की धमकी दी तथा मारपीट की।

रिपोर्ट प्राप्त होने पर वरिष्ठ अधिकारियों को तत्काल अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक कबीरधाम श्री धर्मेंद्र सिंह के निर्देश पर आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई हेतु आदेश जारी किए गए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पुष्पेंद्र बघेल एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री पंकज पटेल के मार्गदर्शन में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस श्री भूपत सिंह धनेश्री के निर्देशन तथा थाना प्रभारी नितिन कुमार तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित कर आरोपियों की तलाश प्रारंभ की गई।

गठित टीम द्वारा सतत प्रयास करते हुए दिनांक 26/08/2025 को आरोपियों सूरज, कुणाल एवं छोटा को गिरफ्तार कर थाना लाया गया तथा उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

आरोपियों की गिरफ्तारी एवं कार्रवाई में प्रधान आरक्षक श्रवण चंद्रवंशी, प्रधान आरक्षक राजेश्वर केसरिया, आरक्षक द्वारिका चंद्रवंशी, आरक्षक अभिषेक शर्मा, आरक्षक आकाश भोई एवं आरक्षक राजाराम जयसवाल का विशेष योगदान रहा।

कुम्हारी पुलिस ने ऑनलाइन ठगी के मामले में महिला आरोपी को किया गिरफ्तार

फेरीवाले को कमीशन पर दिया था बैंक खाता, ?4.50 लाख की ठगी का मामला

कुम्हारी । कुम्हारी थाना पुलिस ने साइबर ठगी के एक मामले में बड़ी कार्यवाही करते हुए महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी निशा बेहरा, निवासी डीएमसी तालाब पार कुम्हारी, पर आरोप है कि उसने जानबूझकर अपने एसबीआई बैंक खाता को 10,000 रुपये के कमीशन पर एक फेरीवाले को उपलब्ध कराया, जिसमें ऑनलाइन ठगी की रकम ?4,50,000 जमा की गई थी।

पुलिस के अनुसार, यह खाता एक म्यूल अकाउंट के रूप में उपयोग किया गया। ठगी की रकम प्राप्त होते ही आरोपी ने चेक के माध्यम से रकम आहरित कर ली और फेरीवाले से ?10,000 कमीशन प्राप्त किया। इस मामले में जब पुलिस को म्यूल अकाउंट की जानकारी प्राप्त हुई, तब तुरंत कार्यवाही करते हुए आरोपी को हिरासत में लिया गया।

पुलिस ने आरोपी के पास से बैंक पासबुक, पैन कार्ड और चेकबुक को जब्त किया है। आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है, जबकि इस मामले में शामिल एक अन्य आरोपी फेरीवाले की तलाश अब भी जारी है।

कुम्हारी थाना पुलिस द्वारा की गई इस कार्रवाई से साइबर अपराध पर प्रभावी रोकथाम की उम्मीद की जा रही है।

मूसलाधार बारिश ने भैरमगढ़ ब्लॉक में मचाई तबाही, तीन गांव के लगभग 23 घरों के लोगों को किया बेघर

भाजपा जिलाध्यक्ष सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों ने किया बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा, प्रशासन से की लोगों को सुरक्षित जगहों में विस्थापित करने व मुआवजा देने की मांग

बीजापुर । बस्तर क्षेत्र में घण्टों से हो रही अनवरत बारिश ने तबाही मचाई हुई है,कंही लोगों के घरों में जा घुसा पानी तो कंही पूरे गाँव को ही डुबान में ले लिया बारिश के बाढ़ का पानी। बस्तर के अलग-अलग जिलों में त्राहिमाम मचा हुआ है, बीजापुर जिले में मंगलवार की हुई मूसलाधार बारिश ने चारों तरफ तबाही मचाई है,भैरमगढ़ ब्लॉक में भारी बारिश ने बीजापुर से जगदलपुर जाने वाली नेशनल हाईवे सड़क को किया बाधित तो वहीं ग्रामीण इलाकों के नदियों-नालो का बाढ़ का पानी सीधे गाँव के घरों में जा घुसा.इस बारिश के बाढ़ का पानी भैरमगढ़ ईलाके के तीन गाँव के लगभग 23 घरों को बेघर कर दिया। और इस बारिश से जिले के अलग-अलग क्षेत्रों के पाँच ग्रामीण बाढ़ के पानी मे बह गये जो वर्तमान में लापता हैं, तो वहीं नगर सेना की टीम ने एक ग्रामीण का रेस्क्यू भी किया है।

बुधवार को बाढ़ प्रभावित की सूचना मिलते ही भाजपा जिलाध्यक्ष घासीराम नाग सहित भैरमगढ़ क्षेत्र के नवनियुक्त जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्र व गांवों का दौरा किया व बाढ़ प्रभावित लोगो से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना एवं त्वरित जिला प्रशासन अधिकारियों,कर्मचारियों से फोन पर बात कर लोगों को सुरक्षित जगहों में विस्थापित करने व मुआवजा देने की मांग की।

इस दौरान भैरमगढ़ मंडल के अध्यक्ष चिन्नाराम तेलम जी,महामंत्री नितेश पाण्डे जी,जगत बघेल जी, जिला पंचायत सदस्य समतीन कोरसा जी,जनपद अध्यक्ष दशरी कोरसा जी सहित मंडल कार्यकर्ता व जिला प्रशासन के अधिकारी व कर्मचारी गांव के सरपंच/सचिव मौजूद रहें।

कांकेर जिले में नया पर्यटन केन्द्र बनकर उभर रहा 'धारपारूम'

रायपुर। कांकेर जिले में नया पर्यटन केन्द्र बनकर उभर रहा 'धारपारूम' कांकेर जिले में नया पर्यटन केन्द्र बनकर उभर रहा 'धारपारूम'प्राकृतिक सौंदर्य और नैसर्गिक खूबसूरती से परिपूर्ण कांकेर जिले में पर्यटन के क्षेत्र में अपार संभावनाएं विद्यमान हैं। जिले की पहाड़ियों और वनों के बीच अनेक ऐसे स्थान स्थित हैं, जो अपनी अनूठी प्राकृतिक विशेषताओं से सैलानियों को आकर्षित करने की क्षमता रखते हैं। इन्हीं स्थलों में से एक नया पर्यटन स्थल 'धारपारूम' है, जो अपनी मनोरम घाटियों, व्यू प्वॉइंट, प्राकृतिक झरने और गुफाओं के कारण पर्यटकों की पहली पसंद बनता जा रहा है।

कांकेर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत पीढ़ापाल के समीप स्थित धारपारूम, जिला मुख्यालय से लगभग 25 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। पहाड़ियों से घिरा यह क्षेत्र प्राकृतिक छटा से परिपूर्ण है। यहां घाटीनुमा संरचना के साथ-साथ प्राकृतिक झरना, गुफा तथा पुरातात्विक महत्व के शैलचित्र भी देखने को मिलते हैं। वर्तमान में इस स्थल का संचालन एवं प्रबंधन सामुदायिक स्तर पर ग्रामीणों द्वारा किया जा रहा है। ग्रामीणों की सहभागिता से यहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में सैलानी पहुंच रहे हैं।

कलेक्टर श्री निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री हरेश मंडावी ने धारपारूम क्षेत्र का अवलोकन करने के बाद इसे नवीन पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करने की दिशा में पहल करने की बात कही है। उन्होंने ग्रामीणों से चर्चा कर क्षेत्र की पृष्ठभूमि एवं ऐतिहासिक महत्व की जानकारी भी प्राप्त की।

गौरतलब है कि हाल ही में कुछ मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा इस क्षेत्र का भ्रमण कर इसके दृश्य सोशल मीडिया पर साझा किए गए, जिसके बाद यहां पर्यटकों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। सैलानियों का मानना है कि धारपारूम को केशकाल के टाटामारी से भी बड़ा हिल प्लेस के रूप में विकसित किया जा सकता है। धारपारूम का प्राकृतिक वैभव और इसकी अनुपम भौगोलिक संरचना इसे कांकेर जिले का उभरता हुआ पर्यटन स्थल बना रही है। प्रशासनिक सहयोग और ग्रामीणों की भागीदारी से यह क्षेत्र निकट भविष्य में जिले के प्रमुख पर्यटन स्थलों में अपनी विशिष्ट पहचान बनायेगा।

उफनते नाले में कार बहने से 4 की मौत, कार चालक ने तैरकर बचायी जान

रायपुर का निवासी है मृतक परिवार

जगदलपुर । बीती रात कांगेर घाटी में बाढ़ के दौरान उफनते नाले में मारूती सुजुकी कार के बह जाने के हादसे में कार में सवार एक ही परिवार के पति-पत्नी सहित दो बच्चों की जल समाधि बन गयी और पांचवे सवार चालक ने तैरकर अपनी जान बचा ली। मृतक कार में सवार होकर तीरथगढ़ घूमने के लिये जा रहे थे, इसी दौरान वो काल के गाल में समा गये। घटना से परिजनों में शोक की लहर है, सभी का रो-रोकर बुरा हाल है। घंटों की कड़ी मेहनत के बाद आखिरकार चार लोगों के शव बरामद कर लिये गये हैं। शवों को मेकाज में पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

मूलतः तमिलनाडु निवासी 43 वर्षीय राजेश कार मंगलवार को, जो रायपुर में ठेकेदारी करता था, अपनी पत्नी पवित्रा 40 वर्ष, सौजन्या 7 वर्ष, सौमया 4 वर्ष को लेकर रायपुर से तीरथगढ़ घूमने के लिए आया था, अचानक जैसे ही कार कांगेर घाटी के पास पहुँची कि तेज बारिश होने से बाढ़ के बहाव में बह गयी। इसके बाद चारों को बचाने के लिए दरभा पुलिस और रेस्क्यू टीम मौके पर पहुंची। बरसात का पानी (बाढ़) अधिक होने के कारण पति-पत्नी सहित दोनों बच्चों ने पानी में डूबकर दम तोड़ दिया।

ड्राइवर ने तैरकर बचाई जान

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार हादसे के वक्त कार के ड्राइवर ने किसी तरह से तैरकर पेड़ के सहारे अपनी जान बचायी। मृतक चारों लोग तमिलनाडु के रहने वाले थे और वर्तमान में रायपुर में रह रहे थे। कहीं न कहीं ये हादसा तेज बहाव में लापरवाही की वजह से हुआ है। दरअसल, परिवार जल्दबाजी में उफनते नाले को पार करने की कोशिश कर रहा था, लेकिन उनकी इस लापरवही से चार जिंदगियां छीन गई। ऐसे में दुर्घटना से देर भली यही संदेश इस हादसे से निकलकर सामने आ रहा है।

एडिशनल एसपी महेश्वर नाग ने घटना की पुष्ट करते हुए बताया कि एसडीआरएफ की टीम ने देर रात कड़ी मशक्कत के बाद कारमें फंसे शवों को बाहर निकालकर सभी शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जगदलपुर

प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना से मिला गांवों को नया जीवन, आवागमन आसान, ग्रामीण विकास को मिली नई गति

रायपुर। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बिलासपुर जिले के बिल्हा विकासखंड में बहतराई से परसाही मार्ग होते हुए बिजौर तक लगभग साढ़े छह किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण एक करोड़ 79 लाख रुपये की लागत से पूर्ण किया गया है। इस सड़क के निर्माण से क्षेत्र के ग्रामीणों को उबड़-खाबड़ मार्ग की समस्या से मुक्ति मिल गई है। अब आवागमन सुगम होने के साथ-साथ ग्रामीण अंचल के विकास की रफ्तार भी तेज हुई है। इस सड़क का लाभ तीन गांवों के हजारों ग्रामीणों को मिल रहा है। स्थानीय लोगों ने इस सुविधा के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

ग्रामीणों का कहना है कि पहले यह सड़क पूरी तरह गड्ढों से भरी और उखड़ी हुई थी। पहले बारिश के दिनों में कीचड़ और पानी भरने से आवागमन कठिन हो जाता था। इससे स्कूल जाने वाले बच्चों, बीमार लोगों और शहर में कामकाज के लिए जाने वाले ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था।

स्थानीय किसान सहदेव कौशिक ने बताया कि सड़क बनने से फसल को शहर तक ले जाना आसान हो गया है। पहले खराब रास्तों के कारण ट्रैक्टर-ट्रॉली और अन्य वाहन फँस जाते थे, जिससे समय और धन दोनों का नुकसान होता था। वहीं छात्र युग भार्गव ने कहा कि सड़क बनने से विद्यालय आने-जाने में कठिनाई समाप्त हो गई है और दुर्घटनाओं का खतरा भी काफी कम हो गया है। गाँव के बुजुर्गों का कहना है कि यह सड़क उनके लिए ÷जीवन रेखा÷ साबित हो रही है।

सड़क निर्माण से बहतराई, परसाही और बिजौर क्षेत्र के ग्रामीणों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। अब आवागमन आसान हो गया है, समय की बचत हो रही है और दुर्घटनाओं में कमी आई है। भारत सरकार ने 25 दिसंबर 2000 को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की शुरुआत की थी। इस योजना का मुख्य उद्देश्य 500 या उससे अधिक आबादी वाले गाँवों (पहाड़ी और रेगिस्तानी क्षेत्रों में 250 आबादी वाले गाँवों) को हर मौसम में उपयोगी सड़कों से जोड़ना है। योजना के अंतर्गत सड़कों का निर्माण एवं रख-रखाव की भी जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाती है, ताकि ग्रामीणों को लंबे समय तक सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

अब बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं : जीपीएम जिले के पंप संचालकों ने उठाया कदम

अब बिना हेलमेट पेट्रोल नहीं: जीपीएम जिले के पंप संचालकों ने उठाया कदम

रायपुर। गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही जिले में सड़क हादसों को कम करने और लोगों की जान बचाने के लिए अब प्रशासन ने बड़ा कदम उठाया है। कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी और पुलिस अधीक्षक श्री एस.आर. भगत की मौजूदगी में कलेक्ट्रेट के अरपा सभा कक्ष में हुई बैठक में तय किया गया कि अब जिले के सभी पेट्रोल-डीजल पंपों पर ÷नो हेलमेट-नो पेट्रोल÷ नियम सख्ती से लागू किया जाएगा। बैठक में सभी पंप संचालकों ने इस फैसले का स्वागत किया और सहमति जताई। तय हुआ कि आने वाले एक हफ्ते तक जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को समझाया जाएगा कि पेट्रोल लेने के लिए हेलमेट पहनना जरूरी है। इसके लिए सभी पंपों पर चेतावनी वाले फ्लैक्स लगाए जाएंगे और चौक-चौराहों पर भी घोषणाएं की जाएंगी।

इसके बाद प्रशासन हेलमेट की अनिवार्यता को सख्ती से लागू करेगा।

बैठक में मानवता की सेवा के लिए जिला रेडक्रॉस सोसायटी की सदस्यता लेने पर भी चर्चा हुई। इसमें सभी पंप संचालकों ने 1000 रुपये शुल्क जमा कर आजीवन सदस्यता ली। इसके साथ ही, गौरेला के मथुरा पेट्रोल पंप संचालक उमेश अग्रवाल और पेंड्रा के काव्या पेट्रोल पंप संचालक आदित्य साहू ने 25 हजार रुपये सेवा शुल्क देकर संरक्षक सदस्यता भी ग्रहण की।इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ओम चंदेल, जिला पंचायत सीईओ मुकेश रावटे, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामेश्वर शर्मा सहित जिले के सभी प्रमुख पेट्रोल पंप संचालक और प्रतिनिधि उपस्थित रहे।बैठक में हिंदुस्तान पेट्रोलियम, इंडियन ऑयल और भारत पेट्रोलियम से जुड़े विभिन्न पंप संचालकों ने भी भाग लिया और इस जनहितकारी निर्णय का समर्थन किया। इस तरह प्रशासन और पंप संचालकों के संयुक्त प्रयास से जिले में सड़क सुरक्षा को बढ़ावा मिलेगा और हेलमेट पहनने की आदत से कई अनमोल जिंदगियां बचाई जा सकेंगी।

प्रभावित जिलों का भ्रमण कर राहत कार्यों का करें निरीक्षण, बस्तर के नागरिकों को मिलेगी सहायता

प्रभारी सचिव बाढ़ा - मुख्यमंत्री श्री साय

मुख्यमंत्री श्री साय ने बाढ़ प्रभावित जिलों की समीक्षा के दौरान दिए दिशानिर्देश

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बस्तर संभाग के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के प्रत्येक बाढ़ प्रभावित परिवार तक हर संभव मदद उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित परिवारों की पीड़ा को शीघ्र कम करना प्रशासन की सर्वोच्च जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि लोगों को यह महसूस होना चाहिए कि संकट की इस घड़ी में प्रशासन उनके साथ मजबूती से खड़ा है।

बीते दिनों मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बस्तर संभाग के बाढ़ प्रभावित जिलों– बस्तर, दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा के कलेक्टरों व वरिष्ठ अधिकारियों से राहत एवं पुनर्वास कार्यों की विस्तृत समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए। मुख्यमंत्री श्री साय ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बाढ़ से हुई जनहानि और पशुहानि प्रभावित परिवारों को राहत राशि बिना विलंब के उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि क्षतिग्रस्त आवासों के सुधार हेतु तिरपाल, बाँस-बल्ली और राहत राशि का वितरण प्राथमिकता से किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ प्रभावित जिलों के प्रभारी सचिव अपने-अपने जिलों का भ्रमण करें और राहत कार्यों का सतत पर्यवेक्षण सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि प्रभावित गाँवों से सड़क संपर्क बहाल करने, क्षतिग्रस्त पुल-पुलियों की मरम्मत और बिजली आपूर्ति पुनर्स्थापना का कार्य युद्धस्तर पर किया जाए। उन्होंने कहा कि बस्तर जैसे संवेदनशील क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं की शीघ्र बहाली राहत कार्यों की सफलता की कुंजी है। समीक्षा बैठक में मुख्य सचिव श्री अमिताभ जैन और मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह भी उपस्थित थे। मुख्य सचिव श्री जैन ने कलेक्टरों से कहा कि यदि उन्हें शासन स्तर से अतिरिक्त सहयोग की आवश्यकता हो तो वे तुरंत प्रस्ताव भेजें, ताकि शासन स्तर पर शीघ्र निर्णय लिया जा सके। मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव श्री सुबोध सिंह ने कलेक्टरों को निर्देश दिया कि राहत शिविरों में भोजन, कपड़े और सूखा राशन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही।

सचिन अग्रवाल कंपनी सेक्रेट्री एवं रजत अग्रवाल चार्टर्ड एकाउन्टेंट बनने पर परिवार और समाज गौरवान्वित

धमतरी । मेहनत, लगन और संस्कार जब मिलकर किसी के जीवन का हिस्सा बनते हैं तो सफलता निश्चित ही कदम चूमती है। ऐसा ही उदाहरण प्रस्तुत किया है शहर के प्रतिष्ठित अग्रवाल परिवार के दो सगे भाइयों–रजत अग्रवाल (चार्टर्ड अकाउंटेंट) और सचिन अग्रवाल (कंपनी सेक्रेटरी) दोनों भाइयों ने कठिन परिश्रम और दृढ़ निश्चय से अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर न केवल अपने परिवार का नाम रोशन किया है, बल्कि पूरे अग्रवाल समाज को भी गर्व का अवसर दिया है।

रजत और सचिन अग्रवाल की इस उपलब्धि के पीछे उनके परिवार के संस्कार और आशीर्वाद का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उनके दादा सत्यनारायण अग्रवाल का आदर्श जीवन और बड़े पिता पवन अग्रवाल एवं पिता दीपक अग्रवाल का मार्गदर्शन, दोनों भाइयों के जीवन की सबसे बड़ी पूंजी साबित हुए। इन्हीं प्रेरणाओं ने उन्हें जीवन में ऊँचाइयाँ छूने की राह दिखाई। आज परिवार में खुशी का माहौल है। परिवारजन का कहना है कि यह उपलब्धि केवल अग्रवाल परिवार की नहीं, बल्कि पूरे अग्रवाल समाज की है। रजत और सचिन की सफलता ने समाज के हर वर्ग को प्रेरणा दी है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और परिश्रम निरंतर हो तो किसी भी मंजिल को पाया जा सकता है।

अग्रवाल समाज में शिक्षा और संस्कार की परंपरा को हमेशा सर्वोच्च स्थान दिया गया है। रजत और सचिन की सफलता इस परंपरा को और भी मजबूती प्रदान करती है। समाज के वरिष्ठजनों का कहना है कि ऐसे होनहार युवा समाज की धरोहर होते हैं, जिनकी मेहनत और उपलब्धियाँ आने वाली पीढ़ियों को प्रोत्साहित करती हैं। यह उपलब्धि समाज के लिए भी सम्मान का विषय है। समाजजन का मानना है कि रजत और सचिन ने यह सिद्ध कर दिया कि सच्ची लगन और मेहनत से समाज और परिवार दोनों को नई पहचान दिलाई जा सकती है। इन दोनों भाइयों की सफलता से समाज के युवा भी प्रेरित होंगे।

बीजापुर में बारिश का तबाही काल, कई गांवों का संपर्क टूटा, सड़क मार्ग बदहाल

बीजापुरः छत्तीसगढ़ में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश के कारण बीजापुर में सभी नदी-नाले उफान पर हैं. आलम यह है कि कई गांव का संपर्क जिले से कट गया है. भोपालपटनम में रात हुई भीषण बारिश के कारण नगर के वार्ड क्रमांक 9 रालापल्ली में बाढ़ जैसे हालात हो गए. लोग अपने-अपने घरों से निकलकर बाहर आ गए थे. बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल होने को निकले थे. हालांकि जलजमाव के कारण उनको ट्रेक्टर से सड़क पार करना पड़ा.

नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर में स्थापित होगी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 25 फीट से ऊंची भव्य प्रतिमा

नवा रायपुर में छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर में स्थापित होगी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 25 फीट से ऊंची भव्य प्रतिमा

रायपुर। छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने नवा रायपुर स्थित नवनिर्मित विधानसभा भवन परिसर में भारतीय संविधान के शिल्पकार, भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 25 फीट से ऊंची भव्य प्रतिमा स्थापित करने हेतु मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही की अनुशंसा की है।

डॉ. सिंह ने मुख्यमंत्री से लोक निर्माण विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में शीघ्र आवश्यक निर्देश जारी करने का भी आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने गठन के 25 वर्षों की यात्रा में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। संविधान में निहित स्वतंत्रता, समता,

न्याय और बंधुत्व के सिद्धांतों से प्रेरित होकर यह राज्य समावेशी विकास की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि नवनिर्मित विधानसभा परिसर में प्रस्तावित डॉ. अंबेडकर की यह भव्य प्रतिमा न केवल संविधान निर्माता को यथोचित सम्मान अर्पित करेगी, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए सामाजिक समता, न्याय और लोकतांत्रिक मूल्यों की प्रेरणा का प्रतीक भी बनेगी।

उल्लेखनीय है कि बाबा साहेब डॉ. अंबेडकर 12 दिसंबर 1945 को रायपुर आए थे और वर्तमान माधवराव सप्रे शाला परिसर (तात्कालीन लॉरी स्कूल) में ऐतिहासिक जनसभा को संबोधित किया था। इस यात्रा ने छत्तीसगढ़ की धरती को उनके विचारों और व्यक्तित्व से सशक्त बनाया। यह पहल डॉ. अंबेडकर वेलफेयर सोसाइटी (ए.डब्ल्यू.एस.) की ओर से की गई है। सोसाइटी के चेयरमैन दिलीप वासनीकर एवं प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष से विगत दिनो मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा था। उन्होंने राज्य स्थापना के रजत महोत्सव वर्ष में यह प्रतिमा स्थापित करने का निवेदन करते हुए इसे सामाजिक समता और लोकतांत्रिक मूल्यों के संवर्द्धन की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया। डॉ. रमन सिंह ने ए.डब्ल्यू.एस. की इस पहल को पूर्ण समर्थन देते हुए कहा कि इस प्रतिमा की स्थापना से छत्तीसगढ़ की पहचान राष्ट्रीय स्तर पर एक समावेशी और संवेदनशील राज्य के रूप में और भी सशक्त होगी।

आनलाइन गेम 2025 को चुनौती, सरकार हाईकोर्ट की शरण में

रायपुर।संवाददाता। बिलासपुर हाईकोर्ट के उपमहाधिवक्ता ने छग शासन द्वारा इलेक्ट्रानिस एवं इनफरमेशन टेक्नॉलाजी विभाग द्वारा प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑनलाइन गेमिंग एक्ट 2025 को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के पहले शासन का पक्ष सुनने के लिए केवियेट दायर कर दिया है। उपमहाधिवक्ता रमाकांत मिश्रा द्वारा इस संबंध में दिशा निर्देश दिया गया है कि ऑनलाइन गेमिंग एक्ट 2025 को शासकीय राजपत्र में 22 अगस्त 2025 को प्रकाशित कर दिया गया है ताकि इसका क्रियान्वयन किया जा सके। छत्तीसगढ़ में इस समय ऑनलाइन सट्टा को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। कई रसूखदार एवं प्रभावशाली अधिकारी इसकी चपेट में आ गये है। इसे देखते हुए हाईकोर्ट में छग शासन द्वारा केवियेट दायर किया गया है।

कैदियों ने 'पुष्प की अभिलाषा' का किया सामूहिक पाठ, उप मुख्यमंत्री अरुण साव

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव कविता पाठ समारोह में हुए शामिल, कहा कविता से देश और समाज के लिए काम करने की मिलती है प्रेरणा

रायपुर। कैदियों ने 'पुष्प की अभिलाषा' का किया सामूहिक पाठरायपुर : कैदियों ने 'पुष्प की अभिलाषा' का किया सामूहिक पाठरायपुर : कैदियों ने 'पुष्प की अभिलाषा' का किया सामूहिक पाठ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं सुप्रसिद्ध कवि स्वर्गीय श्री माखनलाल चतुर्वेदी द्वारा रचित कालजयी कविता 'पुष्प की अभिलाषा' का आज केन्द्रीय जेल बिलासपुर में सामूहिक पाठ किया गया। स्वर्गीय श्री चतुर्वेदी ने बिलासपुर केन्द्रीय जेल में निरूद्ध रहने के दौरान 18 फरवरी 1922 को इस देशभक्तिपूर्ण काव्य की रचना की थी। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव की मौजूदगी में कैदियों ने इसका सामूहिक पाठ किया। केन्द्रीय जेल प्रशासन द्वारा एक प्रतिष्ठित समाचार पत्र समूह के सहयोग से इस प्रेरणादायी कविता पाठ समारोह का आयोजन किया गया था। विधायक श्री सुशांत शुक्ला, वरिष्ठ साहित्यकार श्री सतीश जायसवाल तथा संपादक एवं कवि श्री देवेन्द्र कुमार सहित जेल प्रशासन के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कैदी कार्यक्रम में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने समारोह में 'एक भारतीय आत्मा' के नाम से मशहूर साहित्यकार स्वर्गीय श्री माखनलाल चतुर्वेदी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि बिलासपुर के इस ऐतिहासिक जेल में देशभक्त साहित्यकार श्री माखनलाल चतुर्वेदी के प्रति श्रद्धा एवं आदरभाव व्यक्त करने के लिए एकत्र हुए हैं। देश के लिए बलिदान का क्या महत्व है, इस कालजयी रचना के जरिए बताया गया है। उन्होंने कहा कि एक फूल की इच्छा है कि वह सम्राट अथवा देवता के सिर पर नहीं, बल्कि उस मार्ग में सेनानियों के पैरों तले कुचला जाना मंजूर करता है जिस पथ से होकर सेनानी देश को आजाद करने की लड़ाई में आगे बढ़ें। यह देश के लिए महती त्याग और बलिदान की भावना है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री चतुर्वेदी की आजादी की लड़ाई में बड़ी भूमिका थी। देशभक्ति की भावना उनमें कूट-कूट कर भरी थी। वे 5 जुलाई 1921 से 1 मार्च 1922 तक सात माह 27 दिन इस जेल में निरूद्ध रहे। इसी जेल में रहकर उन्होंने 18 फरवरी 2022 को यह कालजयी रचना सेनानियों को सौंपी थी। बिलासपुर के साथ ही संपूर्ण छत्तीसगढ़ के लिए यह कविता बड़ी धरोहर है। इससे हम सबको अच्छा काम करने की प्रेरणा मिलेगी। श्री साव ने कहा कि श्री माखनलाल चतुर्वेदी प्रकाण्ड विद्वान और देशभक्त थे। 'एक भारतीय आत्मा' के नाम से उन्हें जाना जाता है। देश की आजादी के बाद उन्हें प्रथम साहित्य अकादमी पुरस्कार से नवाजा गया। 'पुष्प की अभिलाषा' शीर्षक से रचित कविता का एक-एक शब्द देशभक्ति के भावों से भरा हुआ है। यह हम सबको देश और समाज के लिए समर्पण भाव से काम करने के लिए प्रेरित करता है। श्री दीपक सिंह, श्री मोहित जायसवाल और जेल अधीक्षक श्री खोमेश मंडावी भी समारोह में मौजूद थे।

केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू, विकास के लिए प्रतिबद्ध डबल इंजन की सरकार : केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू

अटल जी के आशीर्वाद से तेजी से आगे बढ़ रहा छत्तीसगढ़ : उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव

एजेंसी

केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू तथा उप मुख्यमंत्री और बिलासपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री अरुण साव ने आज रतनपुर नगर पालिका में 4 करोड़ रुपए से ज्यादा के विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। इनमें एक करोड़ 67 लाख 70 हजार रुपए की लागत से नगर पालिका के नवीन कार्यालय का भूमिपूजन, 30 लाख रुपए की लागत से अटल परिसर निर्माण एवं 48 लाख 66 हजार रुपए की लागत से आश्रय स्थल का लोकार्पण शामिल हैं। रतनपुर में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) 2.0 के तहत एक करोड़ 90 लाख रुपए की लागत से 76 कार्य स्वीकृत हुए हैं। दोनों अतिथियों ने इनमें से 5-5 हितग्राहियों को अनुज्ञा पत्र और पूर्ण हो चुके आवास के लिए आवास की चाबी सौंपी। कार्यक्रम में बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला, कोटा विधायक श्री अटल श्रीवास्तव, रतनपुर

नगर पालिका अध्यक्ष श्री लवकुश कश्यप, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी भी शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य राज्य मंत्री श्री तोखन साहू ने कहा कि आज हमने अटल परिसर का लोकार्पण किया है। यह हमारे लिए गर्व का क्षण है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय अटल जी का व्यक्तित्व सबसे ऊंचा है। उन्हें विपक्ष के लोग भी सम्मान देते थे। गांव में विकास की क्रांति लाने में उनका अमूल्य योगदान है। उन्होंने किसानों को साहूकारों के चंगुल से छुटकारा दिलाया। किसान क्रेडिट योजना किसानों के लिए वरदान साबित हुई। श्री साहू ने कहा कि डबल इंजन की सरकार से सभी को फायदा हुआ है। रतनपुर को तालाबों की नगरी कहा जाता है। तालाबों के सौंदर्यीकरण के लिए हम कार्य कर रहे हैं। रतनपुर में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने अपने संबोधन में कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण है। छत्तीसगढ़ की प्राचीन राजधानी और आदिशक्ति मां महामाया धाम में हमने आज अटल परिसर का लोकार्पण किया है। हमारी सरकार सभी नगरीय निकायों में अटल परिसर बना रही है। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न स्वर्गीय श्री अटल बिहारी बाजपेयी के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा कि अटल जी छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता हैं। आज यदि छत्तीसगढ़ विकास की ओर बढ़ रहा है तो अटल जी के कारण ही बढ़ रहा है।

उन्होंने गांवों, गरीबों और किसानों की तरक्की के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। श्री साव ने रतनपुर में विकास कार्यों के लिए 4 करोड़ रुपए देने की घोषणा की। उन्होंने नगर पालिका के पदाधिकारियों और अधिकारियों से कहा कि आप लोग तुरंत प्रस्ताव बनाकर भेजिए। नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा तत्काल इन प्रस्तावों को मंजूर कर राशि जारी की जाएगी। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कहा कि इस वर्ष को हमने अटल निर्माण वर्ष घोषित किया है। राज्य स्थापना के रजत जयंती वर्ष के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। रतनपुर में हमने भीषण पेयजल के संकट को दूर किया है। हमारी सरकार बनने के बाद यहां लगातार विकास के काम हो रहे हैं। यहां लगभग 2900 आवास स्वीकृत हुए हैं जिनमें से 2296 आवास पूर्ण हो चुके हैं।

नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच 8 घंटे तक मुठभेड़ चली

नारायणपुर। महाराष्ट्र के गढ़चिरौली और छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले की सीमा के पास नक्सलियों और सुरक्षाबलों के बीच 8 घंटे तक मुठभेड़ चली। मुठभेड़ के बाद जवानों ने मुठभेड़ स्थल से 3 महिला और 1 पुरुष नक्सली की शव तथा एसएलआर, इंसास समेत चार हथियार भी बरामद किए हैं। जवानों को गट्टा दलम, कंपनी नंबर 10 और गढ़चिरौली डिवीजन के अन्य माओवादी कोपरशी वन क्षेत्र (गढ़चिरौली-नारायणपुर बॉर्डर) में छिपे होने की गोपनीय सूत्रों से सूचना मिली थी। इसके बाद तलाशी अभियान के लिए गढ़चिरौली पुलिस की सी -60 यूनिट और सीआरपीएफ की टीम रवाना की गई। खराब मौसम के बीच जवानों की टीम उस क्षेत्र में पहुंचकर तलाश अभियान चला रही थी, इसी दौरान नक्सलियों की ओर से गोलीबारी शुरू हो गई. दोनों तरफ से 8 घंटे तक गोलीबारी होती रही। इस मुठभेड़ में जवानों ने 3 महिला और 1 पुरुष नक्सली को मार गिराया। सर्चिंग के बाद मौके से एसएलआर, इंसास और 303 रायफल समेत 4 हथियार बरामद किए गए. फिलहाल इलाके में बाकी नक्सलियों की तलाश जारी है।

छत्तीसगढ़ राज्य पुलिस सेवा से जुड़े सात अधिकारियों को मिली पदोन्नति

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य पुलिस सेवा से जुड़े सात अधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) में पदोन्नति मिल गई है। यह निर्णय 6 अगस्त को दिल्ली में आयोजित विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठक में लिया गया था। प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब केंद्र सरकार ने इन अधिकारियों की पदोन्नति की अधिसूचना जारी कर दी है। आईपीएस का दर्जा पाने वाले अधिकारियों में पंकज चंद्रा, भावना पाण्डेय, विमल कुमार बैस, हरीश राठौर, वेदव्रत सिरमौर, राजश्री मिश्रा, श्वेता सिनहा शामिल हैं।

संपादकीय

भारत-चीन संबंधों में सुधार

चीन को अहसास है कि भारत ने कुछ अमेरिका के बदले रुख और कुछ आर्थिक जरूरतों के कारण उसकी तरफ हाथ बढ़ाया है। तो उसकी सोच है कि भारत और अमेरिका के बीच दूरी जितनी बढ़ाई जा सके, वह उसके दीर्घकालिक हित में होगा। भारत- चीन के संबंधों में जिस तेजी से सुधार हो रहा है, उन पर सहज यकीन नहीं होता। चीनी विदेश मंत्री वांग यी की भारत यात्रा के दौरान माहौल सतर्कता भरी गर्मजोशी का रहा। ऐसा महसूस हुआ कि फिलहाल भारत सरकार का जो मन बदला है, चीन उसका पूरा फायदा उठा लेने की फिराक में है। चीन का मकसद रणनीतिक है। उसे अहसास है कि भारत ने कुछ अमेरिका के बदले रुख और कुछ आर्थिक जरूरतों के कारण उसकी तरफ हाथ बढ़ाया है। तो चीन की सोच संभवतः यह है कि इस मौके पर भारत और अमेरिका के बीच दूरी जितनी बढ़ाई जा सके, वह उसके दीर्घकालिक हित में होगा। नतीजतन, वांग की यात्रा के दौरान चीन ने रेयर अर्थ, अन्य खनिजों एवं उर्वरकों का भारत को निर्यात की इजाजत देने के संकेत दिए।

अग्नि की तरह पवित्र स्त्रियां।

स्त्रियां कई पीढियां की संस्कार
होती है।
स्त्रियां अग्नि की तरह पवित्र होती
है।
स्त्रियां हमारी सोच से
बहुत आगे होतीं हैं,
इतनी संवेदना, इतनी गहराई
और इतनी सात्विक विशालता
के बारे में विचार
करने मेरे दिमागी तंतु
कमजोर से हो जाते हैं।
अग्नि का आविष्कार
जरूर पुरुषों ने किया है
इसका सही प्रयोग,
उपयोग जानती हैं,
अग्नि की तरह
स्त्रियां भी पवित्र होती है।
पवित्र अग्नि की तरह
निर्मल होती हैं,
निर्मल निझारणी की तरह,
स्त्रियां स्त्रियां नहीं होती
संस्कार होती है,
एक स्त्री के जन्म लेने का
मतलब ही
दो परिवारों और
पीढ़ीयों को सुविचारित करना है,
एक स्त्री जो यह समझती है
एक घर चलाने में क्या समस्या है
तो निश्चित तौर पर वह
इस बात के नजदीक हैं
कि देश चलाने में
क्या समस्याएं है,
और सच मानिए
स्त्री के बिना आदमी,समय
सदैव क्रूर बना रहता है,
हम युद्ध की बात नहीं करते
सच तो यह है
की किसी स्त्री का
एक शिशु को जन्म देना
युद्ध में किसी विजय
से ज्यादा स्तुत्य होता है,
ऐसा यूं है कि
स्त्रियां आध्यात्मिक, भावात्मक
और शारीरिक रूप से
पुरुषों से शक्तिशाली होती है
और नव सृष्टि सृजित करती हैं।
ईश्वर की सुंदर और पूर्ण अंतिम
संरचना स्त्री ही है,
और सुंदर समाज की संरचना और
परिकल्पना स्त्री ही संजोती है।
पृथ्वी, नदियां, लताएं
और कोमल भावनाएं
स्त्रियों का ही एक रूप है,
स्त्रियां दैवत्त की देन है
स्त्रियों को प्रणम्य नमन।

– संजीव ठाकुर ।

QR CODE SCAN कर प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा लिखित पुस्तकें पढ़िये ऑनलाईन
PM : 2024 - Vishwa Sarkar Ka Vikalp
Modimaya_ Vaidik_Netritva
Rashtriya Ekta
DLF-Vadra-Bhrasht Tantra
Silent Assassins Jan11,1966
Accursed & Jihadi Neighbour

भारत-जापान दोस्ती से नये वैश्विक संतुलन की कोशिश

ललित गर्ग
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं, बल्कि इक्कीसवीं सदी की नई एशियाई शक्ति संरचना का संकेत है। यह यात्रा भारत और जापान के बीच 'दोस्ती के नए दौर' का आगाज है, जो वैश्विक व्यापार, सुरक्षा और रणनीतिक संतुलन पर गहरा असर डालेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को भारत-जापान ज्वाइंट इकोनॉमिक फोरम को संबोधित करते हुए जापान की टेक्नोलॉजी और भारत के टैलेंट से दोनों देशों के साथ दुनिया की तस्वीर बदलने की बात कही। भारत की विकास यात्रा में जापान की अहम भूमिका रही है। मेट्रो से मैन्युफैक्चरिंग, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप तक अनेक विकास, तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में हमारी साझेदीरी आपसी विश्वास का प्रतीक बना है। भारत विश्व की सबसे तेज विकसित होती अर्थ-व्यवस्था है। बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा, जिसमें दोनों देशों की निकटता से नये आयाम उद्घाटित होंगे।

आज वैश्विक परिदृश्य में सबसे बड़ी चुनौती अमेरिका और चीन, अमेरिका एवं भारत के बीच चल रही 'टैरिफ वार' है। अमेरिका द्वारा लगाए गए भारी शुल्क ने अंतरराष्ट्रीय व्यापार की दिशा बदल दी है। इस टकराव का असर केवल अमेरिका-चीन पर नहीं पड़ा, बल्कि भारत जैसे उभरते बाजारों और विकसित होते देशों पर भी गहरा संकट आया है। भारत के निर्यात को नुकसान पहुँचा है, कच्चे माल की कीमतों में अस्थिरता आई है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित हुई है। ऐसे समय में भारत-जापान का एक-दूसरे के और नजदीक आना एक 'रणनीतिक अवसर' है। जापान तकनीक, पूँजी और नवाचार में अग्रणी है, वहीं भारत के पास विशाल मानव संसाधन, बड़ा बाजार और विकास की अपार संभावनाएं हैं। मोदी की यह यात्रा इन दोनों शक्तियों को एक साझा मंच पर लाने का प्रयास है, ताकि अमेरिका की टैरिफवार से बने शून्य की भरपाई की जा सके।

निश्चित ही अमेरिका का भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाना भारत के सामने एक बड़ी चुनौती है और इस चुनौती का सामना करने में भारत सक्षम भी है। इन्हीं जटिल स्थितियों के बीच भारत अपने उत्पादों के लिए नए बाजार की तलाश में है। प्रधानमंत्री मोदी जापान के बाद चीन जाएंगे और वहां एससीओ समिट में भी हिस्सा लेंगे। चीन में प्रधानमंत्री मोदी की मुलाकात राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूसी राष्ट्रपति व्लादीमीर पुतिन से भी हो सकती है। मोदी की यह जापान यात्रा केवल व्यापार तक सीमित नहीं है। चीन के विस्तारवाद, अमेरिका की अनिश्चित नीतियों और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसे हालात में भारत और जापान का साथ आना 'संतुलनकारी शक्ति' की तरह काम करेगा। दोनों देशों ने 'इंडो-पैसिफिक रणनीति' को मजबूती देने पर जोर दिया है, जिसका उद्देश्य एशिया में शांति, स्थिरता और मुक्त व्यापार सुनिश्चित करना है।

जापान भारत का पूराना मित्र राष्ट्र है। भारत और जापान के रिश्तों की नींव कोई आज की नहीं है। आठवीं शताब्दी में बोधिसेना नामक भारतीय साधु ने नारा के तोदाईजी मंदिर में भगवान बुद्ध की मूर्ति में प्राण प्रतिष्ठा की थी। यह पहला ऐतिहासिक संपर्क माना जाता है। आगे चलकर स्वामी विवेकानंद, रवींद्रनाथ टैगोर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और जस्टिस राधा बिनोद पाल जैसी हस्तियों ने दोनों देशों के रिश्तों को गहरा किया। आजादी की लड़ाई के दौरान नेताजी सुभाषचन्द्र बोस और आजाद हिन्द फौज को जापान से मिला समर्थन एवं सहयोग इस बात का प्रमाण है कि दोनों देशों के रिश्ते सन् 1947 से पहले से ही प्रगाढ़ एवं मित्रतापूर्ण थे। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद भारत ने जापान के साथ अलग शांति संधि की, जिससे दोनों देशों के बीच आधिकारिक रिश्तों की शुरुआत हुई। आज भारत-जापान साझेदारी में रक्षा, विज्ञान, शिक्षा, संस्कृति और रणनीतिक सुरक्षा जैसे कई क्षेत्र शामिल हैं। मित्रता एवं सहयोग की यह विरासत आज भी जारी है, यही कारण है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह जापान की 8वीं यात्रा है। उन्होंने जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा को 15वें भारत-जापान वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित करने के लिए धन्यवाद भी दिया।

मोदी की यह जापान यात्रा निश्चित तौर पर दूरगामी उद्देश्यों से जुड़ी है। दोनों देशों के साझेदारी से नयी दिशाएं उद्घाटित होंगी, हालांकि इस साझेदारी की राह आसान नहीं है। भारत को अपनी नौकरशाही जटिलताओं, बुनियादी ढाँचे की कमी और नीतिगत अस्थिरताओं को दूर करना होगा, ताकि जापानी निवेशकों का विश्वास बढ़ सके। वहीं जापान को भी यह समझना होगा कि भारत का बाजार केवल उपभोक्ताओं का नहीं बल्कि एक साझेदारी की संभावनाओं का बाजार है। अमेरिका की टैरिफ वार ने वैश्विक व्यापार को असंतुलित किया है, लेकिन भारत-जापान की साझेदारी इसे संतुलन की दिशा दे सकती है। यदि यह रिश्ता आगे बढ़ता है, तो भारत केवल जापान का साझेदार ही नहीं रहेगा, बल्कि पूरे एशिया में 'नई शक्ति धुरी' का केंद्र बन सकता है। भारत-जापान की निकटता एवं आपसी समझौते अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण है, व्यापारिक दृष्टिकोण से भरपूर संभावनाएं हैं। इससे सप्लाई चेन का नया केंद्र विकसित होगा। वैसे भी जापान, चीन पर निर्भरता घटाना चाहता है। भारत इसके लिए सबसे स्वाभाविक विकल्प है। यदि जापानी उद्योग भारत में बड़े पैमाने पर निवेश करते हैं तो 'मेक इन इंडिया' को नई ऊर्जा मिलेगी।

हाई-टेक सहयोग से सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत-जापान साझेदारी एशिया की नई तकनीकी धुरी बना सकती है। यह व्यापारिक संतुलन का भी आधार है। अमेरिका और यूरोप के बाजार अस्थिर हैं। भारत-जापान मिलकर 'एशिया-प्रशांत' को स्थिर और सशक्त व्यापारिक क्षेत्र बना सकते हैं। दोनों देश बुनियादी ढाँचा निर्माण करते हुए एक दूसरे के विकास में सहायक होंगे। जापान का विशेष अनुभव और वित्तीय सहयोग भारत की मेट्रो रेल, हाई-स्पीड बुलेट ट्रेन और बंदरगाह परियोजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह न केवल भारत की अर्थव्यवस्था को गति देगा, बल्कि दोनों देशों को दीर्घकालिक साझेदार बनाएगा। निश्चित दौर पर मोदी की जापान यात्रा केवल दोस्ती का नया अध्याय नहीं है, बल्कि अमेरिका-चीन टकराव से उपजे शून्य को भरने की कोशिश है। यह भारत को एक 'पैसिव खिलाड़ी' से 'ग्लोबल लीडर' की भूमिका में लाने का अवसर है।

भारत-जापान की दोस्ती का नया दौर बदलती वैश्विक परिस्थितियों और शक्ति-संतुलन का निर्णायक पहलू है। आज की दुनिया बहुध्रूवीय व्यवस्था की ओर बढ़ रही है। अमेरिका और चीन की टकराहट ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र को विश्व राजनीति का केंद्र बना दिया है। चीन की आक्रामक नीतियां, उसके विस्तारवादी रुख और आर्थिक दबदबे की कोशिशों ने भारत और जापान को स्वाभाविक रूप से निकट लाया है। भारत-जापान की साझेदारी अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और अन्य लोकतांत्रिक देशों के साथ मिलकर 'क्वाड' को मजबूत करती है। यह केवल सुरक्षा गठबंधन नहीं बल्कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्वतंत्र नौवहन, आतंकवाद से मुकाबला, और आपसी व्यापार-विकास का साझा दृष्टिकोण है। इससे चीन की एकध्रूवीय शक्ति बनने की महत्वाकांक्षा पर अंकुश लगता है।

अमेरिका की संरक्षणवादी नीतियों और टैरिफ बाधाओं ने भारत-जापान को विकल्प खोजने पर मजबूर किया है। दोनों देश मिलकर 'चीन-प्लस-वन' रणनीति को आगे बढ़ा सकते हैं, यानी चीन पर निर्भरता कम करके एशिया और अफ्रीका के नए बाजारों में निवेश और उत्पादन केंद्र बना सकते हैं। इससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला संतुलित होगी। जापान भारत में बुलेट ट्रेन, स्मार्ट सिटी, डिजिटल इंडिया और नवीकरणीय ऊर्जा के प्रोजेक्ट्स में निवेश कर रहा है। भारत की युवा कार्यशक्ति और जापान की तकनीकी दक्षता मिलकर नवाचार और टिकाऊ विकास का मॉडल पेश कर सकती है। यह मॉडल पश्चिमी पूंजीवाद और चीनी साम्यवादी अर्थशास्त्र से भिन्न होगा। दोनों देशों के बीच संबंध केवल रणनीति या व्यापार तक सीमित नहीं हैं बल्कि साझा मानवीय मूल्यों से नैतिक गहराई प्रदान करने का आधार भी है। यह मित्रता 'सॉफ्ट पावर' के रूप में भी वैश्विक शांति को आधार देगी। यह न तो किसी आक्रामक गठबंधन का रूप है और न ही केवल आर्थिक लाभ का गणित। बल्कि यह लोकतंत्र, शांति, प्रौद्योगिकी और मानवता पर आधारित एक नए वैश्विक युग की नींव है। निश्चित तौर पर कहा जा सकता है कि मोदी की दो दिवसीय यह यात्रा न सिर्फ भारत-जापान संबंधों को नई ऊंचाई देने का मौका होगी बल्कि एशियाई कूटनीति में भारत की भूमिका को और मज़बूत करेगी। भारत-जापान का नया दौर विश्व को दो संदेश देता है कि शक्ति का संतुलन केवल सैन्य बल से नहीं, बल्कि सहयोग, विकास और नैतिक मूल्यों से बनेगा। एशिया का भविष्य भारत और जापान की साझेदारी से निर्धारित होगा, जो दुनिया को स्थिरता और संतुलन की दिशा देगा। **यह निजी विचार है।**

पुराना नारा नए मौसम के लिए चमका दिया

श्रुति व्यास

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन में हर साल भारत को एक नए सवेरे का वादा मिला है! हर वर्ष का हिसाब यदि लगाए तो प्रति वर्ष नई थीम पर एक नारा, एक प्रण और शुरू एक काउंटडाउन। मतलब कल हमेशा नए नाम से, नई पैकेजिंग में लौट आता है! मानो पूरा देश एक स्थायी वेटिंग रूम में नए वादों की स्थाई इंतजारी की नियति लिए हुए हो। और ऐसा इस स्वतंत्रता दिवस पर भी हुआ। पुराना नारा नए मौसम के लिए चमका दिया गया–पुरानी शराब, नई बोतल। और सोमवार तक उसके पैकेज को सरकार ने बाकायदा और महत्वाकांक्षी, और तात्कालिक तथा लुभावना बना दिया।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने नए नए जुमले के साथ नया अध्याय खोला–100 दिन का ट्रांसफॉर्मेशन एजेंडा, और यह भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की तेज़ रफ़्तार यात्रा का कथित रोडमैप है। प्रधानमंत्री के लालक़िले के संकल्पों पर आधारित यह योजना पंच प्राणों का सहारा लेती है–एकता, कर्तव्य, धरोहर और औपनिवेशिक मानसिकता का त्याग। उन्होंने कहा कि हर नागरिक, इस सामूहिक सफ़र का हिस्सेदार बनेगा।

लेकिन यह सब सुनना अजीब तरह से क्या पहले जैसा ही कुछ नहीं है? वही अनुभव कि अगली पंद्रह अगस्त तक के लिए नया झूनझूना!

अब सबकों अनुभव है कि प्रधानमंत्री मोदी की राजनीति डिलीवरी पर नहीं बल्कि लोगों की इंतज़ारी को आगे बढ़ाती हुई होती है। अब तो इंतजार का 1947 तक का समय तय हुआ है। 'मेक इन इंडिया' से 'डिजिटल इंडिया', आत्मनिर्भर भारत से अमृत काल तक–हर नारा वर्तमान को भूमिका बना देता है और असली वादा उस क्षितिज पर धकेल देता है, जो हमेशा सालो साल दूर खिसकता जाता है। कल की राजनीति देश की गति, रफ्तार का आयाम बनता है, पर अभी तक जो हुआ है, आज का हिसाब नहीं करती। यही कारण है कि 100 दिन का एजेंडा एक नई शुरुआत से ज़्यादा एक दोहराई हुई स्क्रिप्ट लगती है। भारत यह धुन पहले भी सुन चुका है–परिवर्तन, तेज़ रफ़्तार, नियति। अगर अब हम दौड़ने का संकल्प ले रहे हैं, तो पिछले ग्यारह साल क्या कर रहे थे? अगर 2047 मंज़िल है, तो हम अभी भी एजेंडे, घोषणा की बाते ही क्यों करते हुए है? क्यों शुरुआती लाइन पर खड़े हैं?

यह याद रखने लायक है कि भारत ने पहले भी एक ऐसे दौर को जिया है जब विज़न गढ़े जाते थे। आज़ादी के बाद प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने स्टील कारखानों, वैज्ञानिक संस्थानों और बाँधों को आधुनिक भारत के मंदिर कहा था। तब यह केवल कथा थी, दृष्टि का छलावा। पर समय बीतने के साथ प्रतीक ढाँचे बने–ईंट-पत्थर में जमी महत्वाकांक्षाएँ। प्रगति के अमूर्त विचार को आकार मिलने लगा। फ़ैक्टरी फ़्लोर पर चला जा सकता था, बाँध की दीवारें उठते देखी जा सकती थीं, आईआईटी परिसर में दाख़िला लिया जा सकता था। यह उस भविष्य के ठोस प्रमाण थे जो बन रहा था।

अब ढर्रा बदल गया है। अब अमूर्त विकसित भारत है। मोदी सरकार की कल की राजनीति याकि 2047 की बाते, झांकी अलग तरह की है। उनके नारे–मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, अमृत काल–ठोस नींव, ठोस इमारत, ठोस निर्यात व्यापार, ठोस कल-कारखानों में नहीं बल्कि जुमलों, भावनाएँ और वादे, संकल्प लिए हुए हैं। अब योजना-काम-परिणाम की पंचवर्षीय योजनाएं नहीं है बल्कि इंतज़ार और काउंटडाउन की कोरियोग्राफ़ी पर पनपते हैं, जहां भविष्य हमेशा सुनहरा होता लगेगा लेकिन हमेशा टलता हुआ और टाइमलाईन बढ़ाता हुआ। जबकि नेहरू ने कम-से-कम संस्थान बनाए, वे कारखाने-बांध खड़े किए थे जिन्हें मापा जा सकता था। वही प्रधानमंत्री मोदी लगातार कहानी-कथाएँ सुनाते है जिन्हे बार-बार दोहराते हुए भी यह नहीं लगता है कि वे थक रहे हो या लोग सुनते-सुनते थक गए हो।

इस स्क्रीप्ट में नया 100 दिन का एजेंडा सटीक है। यह तात्कालिकता को दृश्य बनाता है–मानो बारहवें साल में भी सरकार अभी-अभी दौड़ शुरू कर रही हो। लेकिन अगर अब तेज़ रफ़्तार है, तो पिछले ग्यारह साल क्या थे? अगर 2047 मंज़िल है, तो स्टेशन पर क्या तब तक इंतज़ार ही करते रहना है? क्यों? यह सिर्फ़ भाषण का सवाल नहीं है, यह नई राजनीति का एक चिरस्थाई सा ढाँचा बनता लगता है। हमेशा वादा, मगर शायद ही कभी डिलीवरी और कभी खत्म नहीं होने वाला सिलसिला।

2020 का आत्मनिर्भर भारत अभियान याद कीजिए। महामारी के चरम पर जब सप्लाई चेन टूट रही थी, प्रधानमंत्री ने असुरक्षा, आपदा को ही अवसर बता बड़े सपने बनाए थे। आत्मनिर्भरता सरकार की नीति नहीं बल्कि दर्शन बना दी गई–मानो यह नियति हो। शब्दों ने आत्म निर्भरता को दृढ़ संकल्प का रूप दिया। उस क्षण में हौसला बढ़ा, पर प्रयोगशालाएँ, सप्लाई चेन, निवेश–जिनसे सच्ची आत्मनिर्भरता आती है–कभी नहीं बने। पाँच साल बाद नारे और वास्तविकता का अंतर और गहरा है। तेल से लेकर सेमीकंडक्टर तक, भारत अब भी आयात पर निर्भर है। डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ़ नीतियाँ–आज 25, कल 50–उस मायाजाल को तार-तार बना देती हैं, जो विपक्ष के बूते में भी नहीं है। समय ही बताता है कि न भारत आत्मनिर्भर हुआ है और उसके दूर-दूर तक कोई लक्षण है। और यह नेहरू के आधुनिक मंदिरों बनाम मोदी के संकल्पों, एजेंडों, जुमलों और नारों का बुनियादी फर्क है। नेहरू के स्टील प्लांट, रिफाइनरी, सरकारी प्रतिष्ठानों, बाँधों ने लोगों का विस्थापन किया हो या सरकारी भ्रष्टाचार बनवाया हो, वे संस्थान लड़खड़ाए, बावजूद इसके वे सब आज भी खड़े हैं। उनकी आलोचना हो सकती है, समीक्षा हो सकती है, सुधार हो सकता है। मगर जुमले और नारे तो आलोचना से भी परे हैं। संकल्पों और प्रतिज्ञाओं को कोई नहीं मांप सकता है बस उन्हे दोहराते रहा जाता है।

इसीलिए 100 दिन का एजेंडा अपने वादों से ज़्यादा सियासी डिज़ाइन को उजागर करता है। तात्कालिकता यहाँ डिलीवरी नहीं, बल्कि झांकी व दृश्य है। यह एक ऐसे शासन का आभास देता है, जो मानो नयी ऊर्जा से दौड़ रहा हो, जबकि वह असल में सत्ता में बारहवें साल में है। काउंटडाउन पॉलिटिक्स–100 दिन, 5 प्रण, 2047–मोदी युग के गवर्नेंस की वह व्याकरण है जो संख्यात्मक, लयबद्ध, दोहराने में भरपूर आसान है लेकिन रियलिटी और अनुभवों में मापने में कठिन।

वाणिज्य मंत्री गोयल ने एजेंडा विरासत, परंपरा और औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति को फ़्रेम में रखा। इससे विकास एक सभ्यतागत परियोजना में बदल जाता है, जिसमें कठिनाइयाँ देशभक्ति का त्याग कहलाती हैं। नौकरियाँ नहीं आतीं, अस्पताल फंड नहीं पाते, स्कूल पिछड़ते हैं–तो इसका कारण बताया जाता है कि हम औपनिवेशिक बोझ उतार रहे हैं। सो नागरिकों को सिर्फ़ लाभार्थी नहीं बल्कि त्यागी सैनिक बनना चाहिए ताकि हम एक ऐसे मार्च, एक ऐसी परेड़ का हिस्सा बने जिसका गंतव्य 2047 होगा। अर्थात हमेशा कल।

लेकिन नारों पर कविता कर सकते है लेकिन उसके लिए आंकड़े, अंक कैसे बनेगे? भारत तो जीडीपी का केवल 0.7 अनुसंधान और विकास पर खर्च करता है। मतलब अमेरिका (3.6) और चीन (2.4) से बहुत पीछे। वैश्विक नवाचार सूचकांक पर भारत 39वें स्थान पर है। बेरोज़गारी रिकॉर्ड स्तर पर है, कृषि संकट हर साल गहराता हुआ है, और जलवायु आपदाएँ–बाढ़, भूस्खलन, लू–अब मौसम की परिभाषा बन चुकी हैं। इस सबकों, तमाम समस्याओं को क्या सिर्फ वादों से सुलझाया जा सकता? जाहिर है विकास ख्याली- स्मृतिङ्ककार्य नहीं है बल्कि ठोस कारखानों (कैसे बांग्लादेश ने भारत को परंपरागत वस्त्र उद्योग में भी पछाडा), ढाँचे, निवेश और नवाचार से बनता है। जब तक भारत इसकी बुनियाद पर निवेश याकि प्रयोगशालाएँ, मज़बूत सप्लाई चेन, स्वास्थ्य, शिक्षा को सुधारेगा नहीं कोई खांका नहीं बनना है।

सो कहानी सिर्फ़ अर्थशास्त्र की नहीं, राजनीति के स्वरूप की है। शासन अब कार्यक्रमों से कम और प्रदर्शन से ज़्यादा जुड़ा है। आत्मनिर्भर भारत कोई नीति दस्तावेज़ नहीं, बल्कि एक कथा थी। 100 दिन का एजेंडा कोई सुधार ब्लूप्रिंट नहीं है, बल्कि एक कागजी पटकथा भर है। इसका मक़सद डिलीवरी नहीं, बल्कि ध्यान भटकाना है–आज की समस्याओं से नज़रें हटाकर कल्पित भविष्य की ओर मोड़ना।

शायद इसी कारण मोदी की राजनीति लगातार उड़ती हुई है। इससे नागरिकों को केवल नीतियाँ नहीं, बल्कि नियति, कर्तव्य और सभ्यता के बड़े आख्यान, कथाएं मिलती है। कठिनाई त्याग बन जाती है; देरी अनुशासन। जहां नीति फिसलती है, वहां कविता संभाल लेती है।

लेकिन दुनिया का मामला अलग है। वह इतनी आसानी से प्रभावित नहीं होती। ट्रंप के टैरिफ़ सिर्फ़ व्यापार नीति नहीं, बल्कि आईना हैं। वे दिखाते हैं कि आत्मनिर्भरता के नारे और बाहरी निर्भरता का अंतर्विरोध कितना गहरा है। और पता पड़ता हैं कि जुमलों की कथा रणनीति का विकल्प नहीं है और देश का नरेटिव कंट्रोल बाहरी झटकों से अर्थव्यवस्था को कतई बचा नहीं सकता। भारत दुनिया की अगली कार्यशाला बनने का दावा करता है, लेकिन बिना नवाचार के वह दूसरों की डिज़ाइन का कारख़ाना भर रहेगा। 140 करोड लोगों की एक विशाल अर्थव्यवस्था, लेकिन औसत नवाचार प्रोफ़ाइल वाली।

इस तरह बात फिर कल पर आ ठहरती है। जैसे-जैसे भारत 2047 की ओर बढ़ रहा है, यह सवाल बनेगा कि क्या हम मंदिर बनाएँगे या टैगलाइन गढ़ेंगे? नेहरू की विरासत पर विवाद हो सकता है, पर उसने भारत को बहस करने लायक ढाँचा तो दिया था। उस नाते मोदी की विरासत कहीं ज़्यादा क्षणभंगुर न रह जाए–प्रदर्शन की राजनीति, जो वादों को हमेशा टालती रहती है। 100 दिन का एजेंडा निस्संदेह सुर्ख़ियाँ बटोरेगा। यह अगले 100 दिनों का आख्यान बनेगा, जब तक कि कोई नई कछा, नया नारा न गढ़ लिया जाए। पर भारत तो कुल मिला कर उसी कल (2047) की ओर मार्च करता रहेगा–जो कभी आता ही नहीं। **यह निजी विचार है।**

चुनाव आयोग खुद एक ऐसी मजबूर संस्था

हरिशंकर व्यास

देश में गिनी चुनी संस्थाएं थीं, जिनके कामकाज को देश के अंदर और बाहर भी सराहा जाता था। उनमें एक संस्था चुनाव आयोग था। टीएन शेषन के समय लोगों ने जाना कि चुनाव आयोग एक संस्था होती है और वह चाहे तो सरकारों को कुछ भी करने के लिए मजबूर कर सकती है। लेकिन अब चुनाव आयोग खुद एक ऐसी मजबूर संस्था दिख रही है, जिस पर दया आती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ने दोनों चुनाव आयुक्तों के साथ पिछले रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उसकी ऐसी दयनीयता सामने आई, जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती है।

विपक्ष के आरोपों पर ऐसे ऐसे बेसिरपैर के तर्क दिए जा रहे थे, जैसे तर्क टेलीविजन की बहसों में पार्टी के प्रवक्ता भी नहीं देते हैं। चुनाव आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके नेता प्रतपिक्ष राहुल गांधी को धमकाया कि आपने जो आरोप लगाए हैं उन्हें हलफनामे के साथ चुनाव आयोग के सामने दायर करें या देश से माफी मांगें। सोचें, पहले चुनाव आयोग सिर्फ एक लाइन कह देता था कि आरोपों की जांच कराई जाएगी और मामला खत्म हो जाता था। अब आयोग को हलफनामा चाहिए तब जांच होगी! चुनाव आयोग की साख और हैसियत ऐसी हो गई है कि विपक्षी पार्टियों के नेता खुलेआम उसे धमकी दे रहे हैं। राहुल गांधी कह रहे हैं कि चुनाव आयोग के अधिकारी और कर्मचारी होशियार हो जाएं। सत्ता बदलेगी तो सबका हिसाब होगा। उन्होंने यहां तक कहा कि रिटायर हो जाने के बाद भी कोई नहीं बचेगा। इससे पहले क्या किसी संवैधानिक संस्था के प्रति ऐसी अनादर वाली बात किसी विपक्षी पार्टी के मुंह से निकलती थी? विपक्षी पार्टियां चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस को भाजपा के प्रवक्ताओं की प्रेस कॉन्फ्रेंस बता रही हैं। ऐसा होने चुनाव आयोग की अपनी करनियों, अपने रवैए से साख और प्रतिष्ठा गंवाने से है। आयोग ने निष्पक्ष और तटस्थ दिखने का प्रयास ही बंद कर दिया है।

इसकी एक मिसाल तो यही है कि राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बेंगलुरू सेंट्रल लोकसभा सीट की एक विधानसभा सीट महादेवपुरा में एक लाख वोट की गड़बड़ी का आरोप लगाया तो चुनाव आयोग ने तत्काल राहुल को नोटिस जारी कर दिया और कहा कि वे अपने आरोपों को हलफनामे के साथ जमा कराएं। इसके अगले ही दिन भाजपा के सांसद अनुराग ठाकुर ने रायबरेली और अमेठी लोकसभा में लाखों वोटों की गड़बड़ी का आरोप लगाया तो चुनाव आयोग ने उनको नोटिस जारी करने की जरुरत नहीं समझी।

चुनाव प्रचार के दौरान भी सत्ता पक्ष के नेताओं के भड़काऊ भाषण की अनगिनत शिकायतें दर्ज कराई जाती हैं लेकिन चुनाव आयोग कान में तेल डाल कर बैठा रहता है। लेकिन अगर किसी विपक्षी नेता के खिलाफ शिकायत आ जाए तो तत्काल कार्रवाई की जाती है। चाहे खर्च का मामला हो या भड़काऊ भाषण का मामला हो या मतदान में गड़बड़ी का मामला हो। हर मामले में चुनाव आयोग विपक्ष के विरोध में काम करता दिखता है। तभी विपक्षी पार्टियों ने उसे भाजपा का अभिन्न अंग बताना शुरू कर दिया है। विपक्षी पार्टियों ने पिछले दिनों कहा कि आयोग को इतने बड़े कार्यालय की क्या जरुरत है। भाजपा कार्यालय में एक फ्लोर पर उसका ऑफिस बना दिया जाए।

आज स्थिति है कि जिसको मन होता है वह चुनाव आयोग पर आरोप लगा कर चला जाता है और आयोग इस बात का रोना रो रहा है कि उसकी इज्जत होनी चाहिए। चुनाव आयोग की ओर से वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में कहा कि 'वोट चोरी' जैसा शब्द बहुत अपमानजनक है और ऐसी बात नहीं कही जानी चाहिए। लेकिन सवाल है कि जब आयोग को खुद अपनी इज्जत का ख्याल नहीं है तो दूसरा कोई क्या कर सकता है? विपक्ष कह रहा है कि मतदान की वीडियो फुटेज जारी की जाए तो आयोग ऐसे बेसिरपैर के तर्क देता है कि दूसरे की मां, बहनों, बेटियों की फुटेज क्यों जारी करें। सोचें, यह क्या तर्क है?

केंद्र, राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों ने कौशल और उद्यमिता पर संयुक्त प्रयास का संकल्प लिया

कौशल मंथन केवल एक सम्मेलन नहीं है, यह विकसित भारत@2047 के लिए कौशल को आकांक्षापूर्ण और प्रभावशाली बनाने के लिए एकजुट कार्रवाई का आह्वान है: श्री जयंत चौधरी

पीआईबी

कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) ने आज चंडीगढ़ में कौशल मंत्रियों का क्षेत्रीय सम्मेलन - कौशल मंथन आयोजित किया। यह एक ऐतिहासिक संवाद है। इसका उद्देश्य कौशल और उद्यमिता के भविष्य पर केंद्र, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के बीच सहयोग को मजबूत करना है। प्रधानमंत्री के कौशल विकास, पुनर्कौशलीकरण और अपस्किलिंग के मंत्र के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा राज्य मंत्री श्री जयंत चौधरी की अध्यक्षता में आयोजित इस सम्मेलन में कौशल मंत्री, उत्तर भारत के राज्यों के सांसद, वरिष्ठ अधिकारी और नीति निर्माता एक साथ आए। सम्मेलन में बिहार, चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की राज्य/केंद्र शासित प्रदेश सरकारों ने भाग लिया।

सम्मेलन का मुख्य आकर्षण हाल ही में स्वीकृत 60,000 करोड़ रुपए की आईटीआई उन्नयन और कौशल विकास हेतु उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की राष्ट्रीय योजना थी। इसका उद्देश्य हब-एंड-स्पोक मॉडल और अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के माध्यम से 1,000 सरकारी आईटीआई को विश्वस्तरीय उत्कृष्टता संस्थानों में बदलना है। उद्योग-नेतृत्व वाली विशेष प्रयोजन कंपनियां इस परिवर्तन का नेतृत्व करेंगी।

इस योजना पर पीएमकेवीवाई 4.0, राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना और जन शिक्षण संस्थान जैसी अन्य प्रमुख पहलों के साथ चर्चा की गई। इसमें प्रतिभागियों ने राज्य-स्तरीय कार्यक्रमों और क्षेत्रीय उद्योग की मांगों के साथ मज़बूत तालमेल की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। एजेंडे में स्किल इम्पैक्ट बॉन्ड, पुनर्गठित मॉडल स्किल लोन स्कीम जैसे नवीन वित्तपोषण तंत्र, और क्रेडिट फ्रेमवर्क और शिक्षुता-आधारित डिग्री कार्यक्रमों के माध्यम से एनईपी 2020 के तहत व्यावसायिक प्रशिक्षण को मुख्यधारा की शिक्षा के साथ एकीकृत करने पर भी चर्चा की गई।

श्री जयंत चौधरी ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए समन्वय और अभिसरण के महत्व पर ज़ोर दिया। उन्होंने कहा, ÷विश्व की कौशल राजधानी बनने की भारत की आकांक्षा, सच्चे अभिसरण के साथ काम करने की हमारी क्षमता पर निर्भर करती है। प्रत्येक राज्य की अपनी विशिष्ट शक्तियां हैं, लेकिन संसाधनों को एकत्रित करके, रणनीतियों को सरेखित करके और उद्योग जगत को समान भागीदार बनाकर ही हम अपने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में बदलाव ला सकते हैं, अपने युवाओं को सशक्त बना सकते हैं और एक ऐसा इको-सिस्टम बना सकते हैं जहां कौशल रोज़गार, उद्यमिता और श्रम की गरिमा का मार्ग प्रशस्त करें। कौशल मंथन केवल एक सम्मेलन नहीं है–यह विकसित भारतञ्च2047 के लिए कौशल विकास को आकांक्षापूर्ण और प्रभावशाली बनाने हेतु एकजुट कार्रवाई का आह्वान है।÷

उन्होंने कहा कि आज हमारी सभी कौशल योजनाएं लचीली, पारदर्शी और सुलभ बनाने के लिए डिज़ाइन की गई हैं। एनएपीएस, विशेष रूप से नए संशोधित अप्रेंटिसशिप पोर्टल के साथ, अप्रेंटिसशिप के लिए पूर्ण लचीलापन प्रदान करता है। जबकि क्लस्टर-आधारित मैपिंग और 5-वर्षीय योजना वाली नई आईटीआई उन्नयन योजना दीर्घकालिक प्रभाव सुनिश्चित करेगी। लेकिन मैं इस बात पर ज़ोर देना चाहता हूं कि कौशल विकास केवल सरकार की ज़िम्मेदारी नहीं है; यह छात्रों की भी ज़िम्मेदारी है कि वे आगे आएं और सर्वोत्तम अवसरों का लाभ उठाएं।

श्री चौधरी ने कहा, ÷हमें भाषा को एक कौशल के रूप में, और यहां तक कि खेलों को भी एक कौशल के रूप में मान्यता देनी शुरू करनी होगी, क्योंकि कल विनिर्माण से लेकर खेल उद्योग तक की अर्थव्यवस्था इसकी मांग करेगी। भविष्य अभिसरण में निहित है, और इसके माध्यम से हम एक ऐसा कार्यबल तैयार कर रहे हैं जो आकांक्षी, भविष्य के लिए तैयार और विश्व स्तर पर प्रासंगिक है।÷

कौशल मंथन की कार्यवाही में विभिन्न चुनिंदा राज्यों के मंत्रियों ने भाग लिया। इनमें पंजाब सरकार में रोजगार सृजन, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण मंत्री श्री अमन अरोड़ा; पंजाब सरकार में तकनीकी शिक्षा एवं औद्योगिक प्रशिक्षण, उच्च शिक्षा एवं भाषा एवं स्कूल शिक्षा मंत्री श्री हरजोत सिंह बैंस; दिल्ली सरकार में उद्योग, खाद्य एवं आपूर्ति तथा पर्यावरण, वन एवं वन्यजीव मंत्री श्री मनजिंदर सिंह सिरसा; हिमाचल प्रदेश सरकार में तकनीकी शिक्षा, व्यावसायिक एवं औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री श्री राजेश धर्माणी; हरियाणा सरकार में युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता, खेल (स्वतंत्र प्रभार), विधि एवं विधायी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौरव गौतम; उत्तर प्रदेश सरकार में व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री कपिल देव अग्रवाल; और राजस्थान सरकार में उद्योग एवं वाणिज्य तथा खेल एवं युवा मामले, कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण कुमार विश्नोई शामिल थे।

नई दिल्ली के विनोद नगर इलाके में भारी बारिश के बाद जलभराव वाली सड़क पर फंसे वाहन।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में एक कार्यक्रम के दौरान पूर्व भारतीय हॉकी खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

छत्तीसगढ़ प्रांतीय अग्रवाल संगठन का नवम अग्र अलंकरण

लोकशक्ति।

28 अगस्त को नवम अग्र अलंकरण समारोह का शानदार कार्यक्रम एस एन पैलेस रायपुर में संपन्न हुआ। प्रांतीय अध्यक्ष डॉक्टर अशोक अग्रवाल एवं प्रांतीय अध्यक्ष गंगा अग्रवाल के नेतृत्व में पूरी टीम ने शानदार जानदार व्यवस्था की, बहुत ही अच्छा स्वागत सत्कार सभी उपस्थित अतिथियों का किया गया। प्रांतीय प्रचार प्रसार मंत्री ज्योति अग्रवाल ने बताया की कार्यक्रम में शामिल हुए मुख्य अतिथि डॉक्टर रमन सिंह, विधानसभा अध्यक्ष, गौरीशंकर जी अग्रवाल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष, संपत अग्रवाल जी, विधायक बसना, राष्ट्रीय चेयरमैन प्रदीप मित्तल जी, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सियाराम जी अग्रवाल रायपुर, प्रांतीय संरक्षक महेंद्र सक्सेरिया जी दुर्ग, पूर्व अध्यक्ष नेतराम जी अग्रवाल, प्रांतीय चेयरमैन अशोक मोदी जी कोरबा एवं कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र अग्रवाल राजू बिलासपुर, की गरिमा में उपस्थित से मंच की शोभा दीप्तिमान हो रही थी। महामंत्री संजय अग्रवाल का संचालन कार्यक्रम की गरिमा बढ़ा रहा था। एक बार पुनः कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी का हृदय से आभार।

किसान प्राण हैं, अन्नदाता हैं, जीवनदाता हैं, किसान भाई-बहनों के लिए समर्पित हूं : शिवराज सिंह चौहान

जगद्गुरु डॉ. शिवरात्रि राजेंद्र महास्वामी जी की 110वीं जयंती के उपलक्ष्य में हुआ समारोह का आयोजन

राजनीति तोड़ती है, धर्म जोड़ता है, पीड़ित मानवता की सेवा ही असली पूजा - श्री शिवराज सिंह

पीआईबी

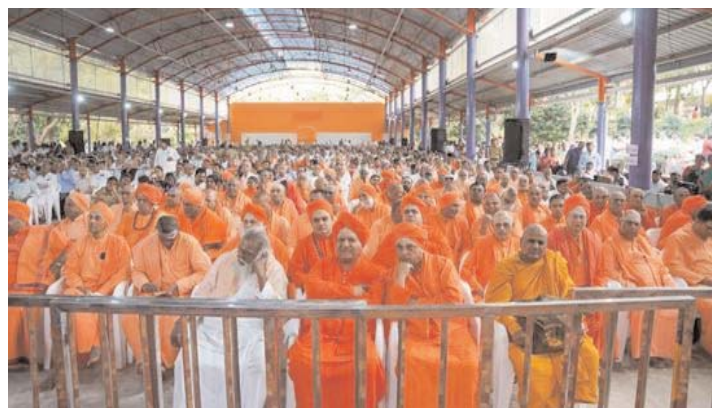

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण व ग्रामीण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आज कर्नाटक के मैसूर स्थित श्री सुत्तूर मठ में आयोजित समारोह में शामिल हुए। समारोह का आयोजन डॉ. शिवरात्रि राजेंद्र महास्वामी जी की 110वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में किया गया था। इस अवसर पर उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा ही असली पूजा है। श्री शिवराज सिंह ने कहा कि राजनीति तोड़ती है, लेकिन धर्म जोड़ता है, आज धर्म ने हम सभी को पीड़ित मानवता की सेवा के लिए जोड़ दिया हैं। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधि, संत-महात्मा, भक्तगण उपस्थित रहे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि मठ वर्षों से सामाजिक कल्याण और मानवता की दिशा में अतुलनीय भूमिका का निर्वहन करता आ रहा है। शिक्षा से लेकर स्वास्थ्य तक विभिन्न क्षेत्रों में मठ के कार्य संचालन से बदलाव की दिशा तय हुई है। जिस समर्पण और सेवाभाव के साथ काम किया जा रहा है, वह यहां के वातावरण को अद्वितिय बनाता है। उन्होंने कहा कि राजनीति तोड़ती है, धर्म जोड़ता है और पीड़ित मानवता की सेवा ही असली पूजा है। आगे उन्होंने कहा कि उचित धर्म के पालन के साथ मठ सेवाकार्य में जुटा है और मैं भी अंतरात्मा से कोशिश करता हूं कि लोगों की अधिक से अधिक सेवा कर सकूं।

केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मुझे कृषि मंत्री बनने का सौभाग्य दिया। बतौर कृषि मंत्री मैं यह मानता हूं कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा, किसान प्राण हैं, अन्नदाता हैं, जीवनदाता हैं और किसानों की सेवा ही मेरे लिए असली आराधना है। केंद्रीय कृषि मंत्री श्री चौहान ने कहा कि हम किसान भाई-बहनों के कल्याण के लिए लगातार प्रयास में जुटे हैं। एक नहीं, अनेकों योजनाएं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रारंभ करने की कोशिश की है। हमारी कोशिश है कि खेती में उत्पादन बढ़े व लागत घटे, उत्पादन के ठीक दाम मिले, फसल का नुकसान हो जाए तो उसका उचित मुआवजा मिले, साथ ही कृषि का विविधीकरण भी बहुत जरूरी है। एकीकृत कृषि के भी अनेक लाभ हैं, जिसे हमें अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि विदेशों की तुलना में भारत में कृषि जोत क्षेत्र आकार की दृष्टि से छोटे हैं। अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील के 10-10, 15-15 हजार हेक्टेयर कृषि जोत क्षेत्रों की तुलना में हमारे देश में ऐसे भी किसान हैं, जिनके पास मात्र एक-दो हेक्टेयर, एक-दो एकड़, ढाई एकड़ कृषि जोत क्षेत्र है। इसलिए हमें नए प्रयासों के तरफकदम बढ़ाते हुए कृषि को लाभकारी बनाना होगा।

2032 तक दुनिया में 1 मिलियन सेमीकंडक्टर स्किल्ड प्रोफेशनल्स की कमी का अनुमान, भारत के पास एक बड़ा अवसर : अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली संवाददाता।

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव के अनुसार, 2030 तक दुनिया को 1 मिलियन सेमीकंडक्टर पेशेवरों की कमी का सामना करना पड़ेगा और भारत के पास इस कमी को पूरा करने का एक बड़ा अवसर है।

एक मजबूत प्रतिभा आधार विकसित करने के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन (आईएसएम) का एक प्रमुख उद्देश्य कुशल पेशेवरों की एक ग्लोबल पाइपलाइन तैयार करना है। गुजरात के साणंद में सीजी पावर की भारत की पहली एंड-टू-एंड सेमीकंडक्टर ओएसएटी पायलट लाइन सुविधा के शुभारंभ के अवसर पर केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने कहा कि इस पायलट लाइन का उद्घाटन सेमीकंडक्टर डिजाइन, निर्माण और डाउनस्ट्रीम क्षमताओं को विकसित करने के भारत के सपने को पूरा करने की दिशा में एक निर्णायक कदम है और गुजरात इस परिवर्तन में एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में उभर रहा है। केंद्रीय मंत्री वैष्णव ने ओएसएटी पायलट लाइन की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि यहां निर्मित चिप्स का इस्तेमाल कस्टमर क्वालिफिकेशन के लिए किया जाएगा। इन चिप्स के स्वीकृत हो जाने के बाद, कमर्शियल प्लांट के लिए क्वालिफाइड प्रोडक्ट्स का पूर्ण पैमाने पर उत्पादन शुरू करना बहुत आसान हो जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह उद्घाटन इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत हासिल की गई सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है, जिसके तहत अब तक 10 परियोजनाओं को मंजूरी मिल चुकी है। सरकार ने 270 विश्वविद्यालयों के साथ साझेदारी की है और उन्हें स्टेट-ऑफ-द-आर्ट सेमीकंडक्टर डिजाइन टूल्स से सुसज्जित किया है। 2025 में, इन उपकरणों का 1.2 करोड़ से अधिक बार उपयोग किया गया। इसके प्रत्यक्ष परिणाम के रूप में, 17 संस्थानों द्वारा डिजाइन की गई 20 चिप्स का निर्माण सेमीकंडक्टर प्रयोगशाला (एससीएल), मोहाली में सफलतापूर्वक किया जा चुका है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि दुनिया में बहुत कम देश छात्रों को ऐसे एडवांस्ड टूल्स तक पहुंच प्रदान करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह पहल भारत के युवाओं को सशक्त बनाएगी, टेक्निकल इकोसिस्टम को मजबूत करेगी और देश को सेमीकंडक्टर टैलेंट के ग्लोबल हब के रूप में स्थापित करेगी।

साणंद स्थित सीजी सेमी सुविधा चिप असेंबली, पैकेजिंग, परीक्षण और पोस्ट-टेस्ट सर्विस के लिए संपूर्ण समाधान प्रदान करती है, जिसमें ट्रेडिशनल और एडवांस्ड पैकेजिंग तकनीकें शामिल हैं। यह भारत की सेमीकंडक्टर क्षमताओं को मजबूत करने और वैश्विक बाजारों की सेवा करते हुए आत्मनिर्भर बनने के देश के लक्ष्य को समर्थन देने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पर अंकुश लगाने के मिशन पर काम कर रही सरकार : नीति आयोग

नई दिल्ली संवाददाता। नीति आयोग के ऊर्जा, प्राकृतिक संसाधन और पर्यावरण सलाहकार राजनाथ राम के अनुसार, केंद्र सरकार ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पर अंकुश लगाने और 2070 तक नेट-जीरो उत्सर्जन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कार्बन कैप्चर, उपयोग और भंडारण (सीसीयूएस) मिशन के रोडमैप और परिव्यय को अंतिम रूप दे रही है।

न्यायालय नायब तहसीलदार कांकेर जिला उत्तर बस्तर कांकेर

रा.प्र.क./202507140100015/अ–20(3)/2024–2025
ग्राम – गढपिछवाड़ी तह. कांकेर
//ईश्तहार//

एतद् द्वारा ग्राम गढपिछवाड़ी के आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक जिला परिवहन अधिकारी उत्तर बस्तर कांकेर के पत्र कमांक/1389/जि.प.अ./20256–26 कांकेर दिनॉक 10.7.2025 के अनुसार जिला कार्यालय के लिए भवन निर्माण हेतु शासकीय भूमि मुख्य सड़क से लगी हुई ग्राम गढपिछवाड़ी कांकेर स्थित भूमि खसरा नंबर 12/1 रकबा 1.347 हेक्टेयर मे से रकबा 0.80 हेक्टेयर को जिला परिवहन कार्यालय भवन निर्माण हेतु आबंटित करने में आवेदन पत्र पेश किया है । जो अ.वि.अ.(रा.) कांकेर के माध्यम से जॉच प्रतिवेदन हेतु प्राप्त हुआ है।

अतः उक्त आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था को दावा/आपत्ति पेश करना है तो स्वयं या आममुख्तियारनामे से दिनॉक 05.9.2025 के पूर्व पेश कर सकते है । नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा ।

आज दिनॉक 20.8.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी।

मुहर

नायब तहसीलदार
कांकेर

G-252603073/2

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह के आयोजन की तैयारी के संबंध में बैठक आयोजित

18 व 19 सितम्बर को विविध कार्यक्रमों का होगा आयोजन

जांजगीर चांपा / कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह के आयोजन की तैयारी के संबंध में बैठक ली। बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह दो दिवसीय 18 एवं 19 सितम्बर 2025 तक शहीद स्मारक परिसर कचहरी चौक जांजगीर एवं कृषि विज्ञान केन्द्र जांजगीर में आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर डीएफओ श्री हिमांशु डोंगरे, जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल रावटे, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उमेश कश्यप, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री उदयन बेहार, संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप ठाकुर, डीएसपी कविता ठाकुर सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। **कलेक्टर ने सभी अधिकारियों** - कर्मचारियों को बैरिस्टर ठाकुर छेदीलाल स्मृति समारोह के गरिमामय आयोजन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दायित्व सौपे और तैयारियों के संबंध में दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर ने समारोह के सफल आयोजन के लिए सभी अधिकारी सौंपे गए दायित्वो का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने कहा। इस अवसर पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानी एवं शहीद परिवारों का सम्मान, प्रतिभा सम्मान, विधिक सेमिनार, सांस्कृतिक कार्यक्रम सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित होंगे। इसके साथ ही कृषक संगोष्ठी में विषय विशेषज्ञों द्वारा किसानी के आधुनिक तकनीक, जैविक पद्धति, फसल चक्र की जानकारी दी जाएगी।

20 किलो 820 ग्राम गांजा के साथ दो तस्कर पकड़ाया

रेल्वे स्टेशन में अकलतरा पुलिस ने दबोचा

जांजगीर-चांपा /

20 किलो 820 किलोग्राम के साथ दो तस्कर को अकलतरा पुलिस ने रेल्वे स्टेशन से पकड़ा है। ज्ञात हो कि विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस पुलिस अधीक्षक एंव अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप जांजगीर चांपा के निर्देशन में जिले में गांजा बिक्री करने व पीने वालो पर अंकुश लगाने पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है । इसी क्रम में थाना अकलतरा क्षेत्र के रेलवे स्टेशन रोड के पास थाना अकलतरा की टीम और रेलवे पुलिस की टीम के साथ मिलकर रेड कार्यवाही की गई। मामले का विवरण इस प्रकार है कि दिनांक 28 अगस्त 2025 को उपनिरीक्षक के के साहू को मुखबिर से सूचना मिला था कि रेलवे स्टेशन अकलतरा के पास अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा दो आरोपी रखे हुए है । सूचना पर रेलवे पुलिस के सहयोग से रेड कार्यवाही को गई , जो रेलवे स्टेशन के पास दो व्यक्ति सूटकेश और बैग रखे मिले थे । उनका नाम पूछने पर अपना नाम नेपाल सिंह पिता साहब सिंह लोधी निवासी बहिरिया दमोह मध्यप्रदेश एवं प्रदीप सिंह पिता दूरख सिंह लोधी निवासी माडनखेड़ा दमोह मध्यप्रदेश बताए जो सूटकेश एवं बैग रखे थे । आरोपियों का तलाशी लिया गया तो आरोपीगणों के कब्जे से 20 किलो 820 ग्राम कीमती 4,20000 रूपये का मादक पदार्थ गांजा सयुक्त रूप से जप्त किया गया । आरोपीयों को हिरासत मे लेकर थाना लाये आरोपियो का कृत्य धारा सदर का पाये जाने से आरोपियो के विरूद्ध अप.क्र. 412/2025 धारा 20बी एनडीपीएस एक्ट कायम किया गया । आरोपियों के विरुद्ध अपराध सबूत पाए जाने से विधिवत गिरफ्तार का न्यायिक रिमांड पर भेजा गया ।

उपरोक्त कार्यवाही में उपरोक्त कार्यवाही मे निरीक्षक भास्कर शर्मा, उप निरीक्षक के.के.साहू प्र.आरक्षक राकेश चतुर्थी, आरक्षक अजीत सिह राज, उमेश यादव, विजय राठौर का सराहनीय योगदान रहा।

सभी प्रकार के दुखों व कष्टों को हरते हैं प्रथम पूज्य गणेश - राजकुमार साहू

सभापति ने सुकली के गणेश पण्डाल पहुँच किये विघ्नहर्ता के दर्शन

जांजगीर-चाम्पा।

जिला मुख्यालय के समीपस्थ ग्राम सुकली में गणेश उत्सव की धूम मची हैं, गांव में श्री सिद्धिविनायक सेवा समिति द्वारा गणेश प्रतिमा स्थापित की गई है। जहां प्रतिदिन विघ्नहर्ता श्री गणेश की विधि विधान से पूजा अर्चना की जा रही है। गणेश चतुर्थी के दूसरे दिवस जिला पंचायत जांजगीर-चाम्पा के सभापति राजकुमार साहू प्रथम पूज्य गणेश जी के दर्शन करने पहुँचे।

पंडाल पहुँच श्री साहू विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र व गांव की खुशियाली की कामना किये। उपस्थित समिति व लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदू धर्म में शुभ कार्यों के आरंभकर्ता, प्रथमपूज्य देवता और विघ्नहर्ता के रूप में है, जो सभी बाधाओं को दूर करते हैं। उनकी पूजा से शिक्षा में सफलता, रोगों से मुक्ति, धन-समृद्धि और जीवन में खुशहाली मिलती है। गणेश जी को रिद्धि (समृद्धि) और सिद्धि (बुद्धि) का दाता माना जाता है और उन्हें सभी प्रकार के दुखों और कष्टों को हरने वाला देवता भी कहा जाता है। इस दौरान पूर्व सरपंच, भोजराम करियारे, नमन सिंह, राकेश सिंह, तरुण राठौर, सौमित्र सिंह, राहुल सिंह, किशोर सिंह, प्रत्येक सिंह, सूर्ययाशु सिंह, प्रशांत सिंह युवराज सिंह, रुद्र प्रताप,अरुण सिंह, विक्कु राठौर, शानु सिंह , हंसु सिंह सहित बड़ी संख्या में समिति के सदस्य एवं ग्राम वासी मौजूद रहे।

ज्ञानोदय में किड्स जोन हुआ प्रारंभ

संवाददाता

जांजगीर चांपा / ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जांजगीर में विद्यालय के प्राचार्य डॉ.सुरेश यादव के मार्गदर्शन में किड्स जोन का हर्षोल्लास के साथ उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह श्रीमती सुकन्या सिंह के मुख्य आतिथ्य, श्रीमती रंजना यादव की अध्यक्षता एवं श्रीमती सरिता ठेठवार , श्रीमती चंचला मिश्रा तथा डॉ.अर्चना यादव के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुआ । सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों द्वारा मां सरस्वती के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण कर किड्स जोन का विधिवत शुभारंभ किया गया ।

तत्पश्चात उपस्थित अतिथियों का कक्षा 12 वीं के छात्र-छात्राओं सोनाली श्रीवास्तव, भावना यादव, अंकुर राठौर, लकी साहू द्वारा आरती, तिलक एवं पुष्प गुच्छ भेंटकर स्वागत किया गया। विद्यालय परिसर को तोरण एवं रंग - बिरंगे बैलून से सजाया गया था ।

नर्सरी से बारहवीं तक के छात्र - छात्राओं ने विद्यालय के मुख्य द्वार से किड्स जोन तक दोनों तरफ पंक्तिबद्ध खड़े होकर अतिथियों का करतल ध्वनि से स्वागत किया। अतिथियों ने उन्हें सुभाशीष के साथ चॉकलेट प्रदान किया। किड्स जोन के उद्घाटन अवसर पर विद्यालयीन छात्र - छात्राओं का उत्साह अभूतपूर्व था ।

ज्ञानोदय स्कूल परिसर में किड्स जोन का उद्घाटन किया गया जिसमें स्विंग, स्लाइडर ,मेरी गो राउंड , सी - सा ,मंकी बार, इत्यादि मनोरंजक सामाग्री लगाई गई। विद्यालय परिवार के इस पुनित कार्य के लिए अतिथियों द्वारा सराहना की गई। अपने सारगर्भित उद्बोधन में मुख्य अतिथि श्रीमती सुकन्या सिंह ने इसे बच्चों के मनोरंजन और स्वस्थ मानसिकता के लिए बहुत ही अच्छा प्रयास बताया। उन्होंने कहा कि सभी को अपने जीवन में संस्कार और सदाचार का पालन करना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षा श्रीमती रंजना यादव ने छात्र - छात्राओं के शारीरिक विकास के लिए इसे उपयोगी बताया ।

विशिष्ठ अथिति श्रीमती सरिता ठेठवार ने कहा कि बच्चे पढ़ाई के साथ-साथ कुछ समय के लिए झूले एवं अन्य मनोरंजक सामाग्री का आनंद लेकर अपनी मानसिक थकान मिटा सकते हैं। ये पढ़ाई के साथ-साथ खेल और शारीरिक दृष्टिकोण से बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बहुत ही उपयोगी है। इस अवसर पर संबोधित करते हुए प्राचार्य डॉ.सुरेश यादव ने कहा कि किड्स जोन का उद्देश्य नर्सरी से बारहवीं तक के छात्र - छात्राओं के विद्यालयीन मानसिक और शारीरिक थकान से निजात दिलाकर मनोरंजन के माध्यम से खुशनुमा वातावरण विकसित करना है। भविष्य में आवश्यकता अनुसार हम और भी बेहतर करने का प्रयास करेंगे ।

सभी छात्र-छात्राओं को ढेर सारा प्यार और विद्यालय परिवार की ओर से बहुत - बहुत शुभकामनाएं। कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका मीना यादव द्वारा किया गया । कार्यक्रम के सफल आयोजन में कार्यक्रम प्रभारी प्रतिभा यादव सहित शिक्षक - शिक्षिकाओं एवं कार्यालयीन स्टॉफ का सहयोग सराहनीय रहा।

कोटमीसोनार में जुआ खेलने वाले सात जुआरियों को किया गिरफ्तार

जांजगीर चांपा / कोटमीसोनार में जुआ खेलने वाले सात जुआरियों को अकलतरा पुलिस ने पकड़ा है। ज्ञात हो पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पाण्डेय आईपीएस के निर्देशन में जिले में जुआ सट्टा खेलाने एवं खेलने वालों के विरुद्ध लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप के कुशल मार्गदर्शन पर क्षेत्र में शांति और सुरक्षा बनाए रखने के लिए जांजगीर पुलिस द्वारा सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में निरीक्षक भास्कर शर्मा थाना प्रभारी अकलतरा के नेतृत्व में मुखबिर सूचना पर एएसआई राजेंद्र सिंह क्षत्रिय टीम के साथ ग्राम कोटमीसोनार के अटल चौक तलाब के पास रेड कार्यवाही कर 7 जुवाड़ीयानो को जुआ खेलते पकड़ाकर विधिवत गिरफ्तार कर आरोपियों के विरुद्ध छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 3 (2) के तहत कार्यवाही किया गया। पकड़े गए आरोपीयों में सुखीराम केंवट उम्र 51 वर्ष निवासी कोटमीसोनार , दिलेश साण्डील्य उम्र 21 वर्ष साकिन कोटमी सोनार , अवधेश लहरे उम्र 45 वर्ष साकिन दलदली कोटमीसोनार , नरेश टण्डेन उम्र 43 वर्ष साकिन कोटमीसोनार , दिनेश साहू उम्र 24 वर्ष साकिन कोटमीसोनार , संजय बंजारे उम्र 22 वर्ष साकिन पाराघाट थाना मस्तुरी जिला बिलासपुर , महिपाल मिरी उम्र 26 वर्ष साकिन पाराघाट थाना मस्तुरी जिला बिलासपुर शामिल है। उपरोक्त कार्यवाही में निरीक्षक भास्कर शर्मा, सउनि राजेन्द्र सिह थाना स्टाफ का सराहनीय योगदान रहा।।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर फिटनेस रैली का हुआ आयोजन

31 अगस्त तक होंगे विभिन्न खेल प्रतियोगिताएं एवं फिटनेस गतिविधियों का आयोजन

जांजगीर-चांपा / राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आज प्रातः 7 बजे फिटनेस रैली मेजर ध्यानचंद हॉकी मैदान से प्रारंभ होकर कचहरी चौक होते हुए हाई स्कूल मैदान जांजगीर तक निकाली गई। कार्यक्रम के माध्यम से फिटनेस के साथ युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने का संदेश भी दिया गया। फिटनेस रैली में लोकसभा क्षेत्र जांजगीर-चांपा सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े, जांजगीर-चांपा विधायक जांजगीर-चांपा श्री ब्यास कश्यप, पूर्व विधायक श्री अंबेश जांगड़े, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री गगन जयपुरिया, नगर पालिका जांजगीर-नैला अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवा गढ़ेवाल, नगर पालिका उपाध्यक्ष श्री मोहन यादव, कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे, पुलिस अधीक्षक श्री विजय पांडेय, डीएफओ श्री हिमांशु डोंगरे, पार्षदगण, खेल संघ के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी, छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सांसद श्रीमती कमलेश जांगड़े ने उपस्थित जनों को फिट इंडिया की शपथ दिलाई। उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि खेल जीवन के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। खेलकूद से युवा पीढ़ी न केवल स्वस्थ रहती है, बल्कि उनमें अनुशासन और टीम भावना का भी विकास होता है। राष्ट्रीय खेल दिवस के शुभ अवसर पर 29 से 31 अगस्त तक विभिन्न खेल कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। उन्होंने खिलाड़ियों और युवाओं से कहा कि वे खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले, राज्य और देश का नाम गौरवान्वित करें। इस दौरान सांसद श्रीमति जांगड़े ने सांसद खेल महोत्सव का शुभारंभ किया। इस अवसर पर रस्साकशी तथा हैंडबॉल, हॉकी खेल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन व्याख्याता श्री दीपक कुमार यादव ने किया।

खिलाड़ियों एवं संघ पदाधिकारी का किया गया सम्मान - कार्यक्रम के दौरान सांसद, विधायक सहित अतिथियों ने राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों के साथ-साथ खेल संघों के पदाधिकारियों को भी उनके योगदान और उपलब्धियों के लिए सम्मान प्रदान किया गया।

30 एवं 31 अगस्त को जिले में होंगे विविध खेल कार्यक्रम का आयोजन -

30 अगस्त को खेलो इंडिया सेंटर में हॉकी, डाईट में रस्साकसी, सीटी क्लब में वालीबाल, सेजेस हॉल जांजगीर में खेल से संबंधित विषयों पर वाद विवाद व फिटनेस टॉक, हाई स्कूल मैदान जांजगीर में फुटबाल व कराते का आयोजन किया जाएगा। 31 अगस्त को प्रातः 7.30 बजे शासकीय हाई स्कूल मैदान से कचहरी चौक, नेताजी चौक लिंक रोड होते हुए वापस शासकीय हाई स्कूल मैदान जांजगीर तक सायकल रैली एवं हसदेव पब्लिक स्कूल (लछनपुर) चांपा में अंडर 19 वर्ग शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

जिला रोजगार कार्यालय में 4 सितम्बर को प्लेसमेंट कैंप का होगा आयोजन

जांजगीर-चांपा /

जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र जांजगीर-चांपा द्वारा युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से 04 सितम्बर 2025 दिन गुरुवार को प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, जांजगीर-चांपा लाईवलीहुड कॉलेज परिसर जॉजगीर में एक दिवसीय प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिला रोजगार अधिकारी ने बताया कि शिविर में निजी क्षेत्र के नियोजक जी.एस.एम.आर. सोलर प्राईवेट लिमिटेड,जॉजगीर द्वारा फिल्ड ऑफिसर के 20 पदों पर भती की कार्यवाही की जावेगी। उक्त पद हेतु शैक्षणिक योग्यता 12वी उत्तीर्ण निर्धारित किया गया है।

कंपनी द्वारा वेतनमान 15000 रुपए प्रतिमाह दिया जाएगा। चयनित आवेदको का कार्यक्षेत्र जॉजगीर-चांपा जिला रहेगा। प्लेसमेंट कैंप में भाग लेने वाले इच्छुक आवेदक अपने मूल प्रमाण पत्रों के साथ स्वयं उपस्थित होकर कैंप में भाग ले सकते है। अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार कार्यालय जांजगीर-चांपा से भी संपर्क किया जा सकता है।

दीदी के गोठ रेडियो कार्यक्रम के प्रथम एपिसोड का प्रसारण 31 अगस्त को

जांजगीर-चांपा / छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन-बिहान के तहत किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के सम्बन्ध में दीदी के गोठ रेडियो कार्यक्रम के प्रथम एपिसोड का प्रसारण 31 अगस्त 2025 को दोपहर 12.15 बजे से प्रदेश के आकाशवाणी के समस्त केन्द्रों से किया जाएगा। कार्यक्रम में स्व-सहायता समूह की दीदीयों द्वारा अपनी सफलता की प्रेरणादायी कहानियां साझा की जाएगी।

खास खबर

अग्रसेन पब्लिक स्कूल में 'सजग कोरबा' अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम हुआ आयोजित

कोरबा पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशानुसार जिले में चल रहे सजग कोरबा अभियान के अंतर्गत दिनांक 25 अगस्त 2025 को अग्रसेन पब्लिक स्कूल में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संचालन महिला सहायता एवं परिवार परामर्श केंद्र कोरबा तथा थाना यातायात कोरबा द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों को गुड टच-बैड टच, ऑनलाइन शिकायत प्रक्रिया, पुलिस विभाग का अभिव्यक्ति ऐप, बच्चों से संबंधित कानूनी जानकारी, मार्शल आर्ट्स एवं यातायात नियमों की महत्वपूर्ण जानकारी दी गई। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक श्री सियाराम बंजारे ने भी बच्चों को उपयोगी मार्गदर्शन प्रदान किया।

जागरूकता कार्यक्रम में लगभग 500 छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में थाना यातायात प्रभारी निरीक्षक तेज कुमार यादव, उपनिरीक्षक मनोज राठौर, म.प्र.आर. 94 बेनेदिक्ता ग्लोरिया बेक, म.आर. 675 अनुसुईया भानु, म.आर. 193 बिंदेद्वरी साहू, म.आर. 810 अंजु, सुचिता पन्ना, आर. 726 ओमप्रकाश निर्मलकर एवं यातायात स्टाफ उपस्थित रहे।

31 अगस्त तक रायगढ़ में होंगे विविध खेल प्रतियोगिताएं

रायगढ़,। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 29 अगस्त को हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में पूरे देश में मनाया जा रहा है। इसी अवसर पर भारत सरकार के निर्देशानुसार 29 से 31 अगस्त 2025 तक देशभर में खेल और फिट्नेस गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस क्रम में रायगढ़ में भी विभिन्न खेल और फिट्नेस कार्यक्रमों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी। जिसमें 29 अगस्त 2025 को दोपहर 3 बजे, स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स हण्डी चौक रायगढ़ में राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन प्रस्तावित है। इसी तरह 30 अगस्त 2025 को दो प्रमुख कार्यक्रम आयोजित होंगे, जिसमें वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन शासकीय पी.डी.कॉमर्स महाविद्यालय, रायगढ़ में एवं बैडमिंटन प्रतियोगिता रायगढ़ स्टेडियम, बोईरदादर में आयोजित की जाएगी। साथ ही 31 अगस्त 2025 को संडे ऑन सायकल अभियान का आयोजन शासकीय पी.डी. कॉमर्स महाविद्यालय, रायगढ़ में किया जाएगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 29 अगस्त को ही फिट इंडिया मूवमेंट का शुभारंभ किया गया था, जिसके तारतम्य में भारत सरकार के द्वारा 29 से 31 अगस्त 2025 तक राष्ट्रव्यापी खेल एवं फिट्नेस गतिविधियों के आयोजन कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के दिए निर्देश

जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

कोरबा (संवाददाता)।

सांसद लोकसभा क्षेत्र कोरबा श्रीमती ज्योत्सना चरण दास महंत की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। उन्होंने जिले में सड़क दुर्घटना रोकने, ओवर स्पीडिंग को नियंत्रित करने हेतु प्रभावी उपाय अपनाने के निर्देश दिए। बैठक विधायक रामपुर फूलसिंह राठिया, विधायक पाली तुलेश्वर सिंह मरकाम, में जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ.पवन सिंह कंवर, प्रभारी कलेक्टर आशुतोष पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग, अपर कलेक्टर देवेंन्द्र पटेल, संयुक्त कलेक्टर मनोज कुमार, जिला परिवहन अधिकारी विवेक सिन्हा सहित

पीडब्ल्यूडी, यातायात विभाग एवं अन्य जनप्रतिनिधि व संयंत्रों के अधिकारी उपस्थित थे।

सांसद श्रीमती महंत ने जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं सड़क सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए और सड़कों पर दुर्घटनाओं को रोकने प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए। सांसद श्रीमती महंत ने दुर्घटनाजन्य स्थानों में गति अवरोधक का निर्माण, सड़क से मवेशियों को हटाने की कार्यवाही, बिना हेलमेट के वाहन चलाने, तीन सवारी, बिना नंबर प्लेट के वाहनों पर कार्यवाही के निर्देश दिए।

बैठक में सांसद श्रीमती महंत को एसपी तिवारी ने जिले में सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण, सड़क सुरक्षा से संबंधित किए गए प्रयास व सड़क सुरक्षा जागरूकता के संबंध में किए गए कार्यो की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने जिले में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में पहल करते हुए सभी विभागों को सौंपे गए दायित्वों का समय पर निर्वहन करने के निर्देश दिए। एसपी श्री तिवारी ने बताया कि जिले में चिन्हांकित दुर्घटनाजन्य ब्लैक स्पॉट क्षेत्रों में लोगों को होडिंग बैनर-पोस्टर के माध्यम से सचेत की जा रही है। उन्होंने बताया कि यातायात एवं परिवहन विभाग द्वारा जिले में तीन सवारी, ओवर स्पीडिंग, कानफोड़ू साइलेंसर का उपयोग, शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों के लाइसेंस लगातार निरस्त भी किया जा रहा है। इसी तरह सड़क सुरक्षा सप्ताह के माध्यम से लोगों को जागरूक करने की जानकारी दी। उन्होंने मादक पदार्थों के रोकथाम की दिशा में की जा रही कार्यवाही, चोरी के वाहनों का पता लगाने एप निर्माण, सार्वजनिक स्थानों पर सीसीटीवी लगाकर अपराधियों को पकड़ने की दिशा में चलाये जा रहे गतिविधियों की जानकारी दी। बैठक में सड़क किनारे कोसना के नाम पर नशायुक्त पदार्थ विक्रय किये जाने की शिकायत सामने आने और कटघोरा-पोड़ी उपरोड़ा के ग्रामीण क्षेत्र में गांजा बिक्री की शिकायत सामने आने पर पुलिस अधीक्षक ने कार्यवाही की बात कही।

शराब घोटाला के तर्ज पर पशु औषधि खरीदी में बड़ा भ्रष्टाचार उजागरः ननकीराम कंवर

कोरबा, । वरिष्ठ आदिवासी नेता एवं पूर्व गृहमंत्री ननकीराम कंवर ने शराब घोटाला के तर्ज पर पशु औषधि खरीदी में बड़ा भ्रष्टाचार उजागर करने के संबंध में पत्र लिखा है। शिकायत पत्र पर संचालक पशु चिकित्सा विभाग ने संज्ञान लेते हुए जांच टीम गठित कर दिया है। जांच टीम को एक सप्ताह के अंदर जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए निर्देश जारी किया गया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश मे पूर्ववर्ती कांग्रेस शासन काल से लेकर आज तक पशु चिकित्सा विभाग में राज्य व जिला स्तर पर पशुओं के उपचार मे उपयोग में आने वाले पशु औषधि की खरीदी के लिए सभी जिला के उपसंचालकों पशु चिकित्सा विभाग के माध्यम से पशु औषधि वैक्सीन, फिट्र सप्लीमेंट्री इत्यादि की खरीदी भंडार क्रय नियम के विपरीत किया गया है जिसमें 10: पशु औषधि की खरीदी होती है लेकिन फर्जी तरीके से 100: दवाई खरीदी का फर्जी भुगतान संबंधित डीलर को सांठ गांठ कर किया जाता है। दवाई की खरीदी डीलरों के द्वारा नियम विरुद्ध तरीके से खरीदी किया जाता है। कोई भी कार्यालय दवाई निर्माता कंपनी से दवा सप्लीमेंट्री खरीदी नहीं की जाती जिसमें अरबो रुपए का पशु औषधि खरीदी में घोटाला सामने आने की संभावना दिख रही है

चक्रधर समारोह की दूसरी शाम में कलाकारों ने बिखेरा जलवा

एजेंसी। ताल और लय की सुंदर संगति के साथ मंच पर सजीव हुई उनकी प्रस्तुतियों ने दर्शक दीर्घा में तालियों की गड़गड़ाहट गूंजा दी। पूजा जैन के साथ मंच पर उनकी टीम में शामिल सौम्या साहू, पाव्या श्रीवास्तव, आसिता वर्मा और वंशिका पात्रा भी शामिल रहीं, जिन्होंने अपने सधे हुए भाव और नृत्य कौशल से प्रस्तुति को और भी प्रभावशाली बना दिया।

पूजा जैन न केवल रायगढ़ ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी अपनी कला का परचम लहराया है। उन्हें अंतरराष्ट्रीय नृत्य प्रतिभा पुरस्कार 2020, नृत्याविष्कार पुरस्कार 2020, राष्ट्रीय एकल नृत्य प्रतियोगिता 2020 में प्रथम स्थान हासिल किया। साथ ही अखिल भारतीय नृत्य नाटक एवं संगीत समारोह 2020 में प्रथम स्थान जैसे प्रतिष्ठित सम्मान प्राप्त हो चुके हैं। इसके अलावा भी उन्होंने अनेक प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले और प्रदेश का नाम रोशन किया है।

वहीं इसके बाद समारोह की दूसरी प्रस्तुति में ओडिसी नृत्य की अनुपम छटा बिखरी। रायगढ़ की प्रतिभाशाली नृत्यांगना राजनंदनी पटनायक ने अपनी साथी पूनम गुप्ता के साथ मिलकर ओडिसी नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी। दर्शकदीर्घा में बैठे श्रोताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट से उनका अभिनंदन किया और उत्साहवर्धन किया। राजनंदनी पटनायक ने मात्र तीन वर्ष की उम्र से ओडिसी नृत्य का प्रशिक्षण प्रारंभ की अपनी लगन और साधना के बल पर उन्होंने अनेक उपलब्धियाँ अर्जित की हैं। वे वर्ष 2019-20 में सीसीआरटी स्कॉलरशिप प्राप्त करने वाली छत्तीसगढ़ की पहली ओडिसी नृत्यांगना बनीं।

स्थानीय संस्कृति की बिखेरेंगी छटा समारोह की तीसरी शाम 29 अगस्त को विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ आयोजित की जाएगी। इस दिन संस्कृत गायन एवं मंचन, श्री गणेश स्तुति, कथक, नृत्य-नाटिका, भरतनाट्यम, तबला वादन और छत्तीसगढ़ी लोकगीत की सुंदर प्रस्तुतियाँ दर्शकों को देखने को मिलेंगी। समारोह में पुसौर की गीतिका वैष्णव संस्कृत गायन एवं मंचन के माध्यम से दर्शकों को भाव-विभोर करेंगी। इसके बाद भवप्रीता डांस एकेडमी, रायगढ़ की दिव्या साकेत पाण्डेय गणेश स्तुति यशकीर्ति पर अपनी नृत्य प्रस्तुति देंगी।

इसी तरह कार्यक्रम में रायपुर की राधिका शर्मा कथक नृत्य प्रस्तुत करेंगी, जबलपुर मध्यप्रदेश से आए संस्कार भारती महाकौशल प्रांत के कमलेश यादव नृत्य नाटिका की प्रस्तुति देंगे। पुणे की अंजली शर्मा अपनी कथक प्रस्तुति से मंच को सजाएँगी। बेंगलोर की गुरू बाला विश्वनाथ भरतनाट्यम की भावपूर्ण प्रस्तुति देंगी।

राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन हुआ

29 से 31 अगस्त तक राष्ट्रव्यापी खेल एवं फिटनेश गतिविधियों का होगा आयोजन

कोरबा स्वर्गीय मेजर ध्यानचंद की जयंती 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस के रूप में मनाया जाता है। साथ ही वर्ष 2019 में प्रधान मंत्री के द्वारा 29 अगस्त को ही फिट इंडिया मूवमेंट का शुभारंभ किया गया था, जिसके तारतम्य में भारत सरकार के निर्देशानुसार दिनांक 29 से 31 अगस्त तक राष्ट्रव्यापी खेल एवं फिट्नेस गतिविधियों का आयोजन किया जायेगा। संचालनालय खेल एवं युवा कल्याण विभाग, छत्तीसगढ़ के निर्देशानुसार 29 अगस्त को राष्ट्रीय खेल दिवस स्व. मेजर ध्यानचंद की जयंती पर जिला मुख्यालय में जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा खेल दिवस पर सर्वप्रथम दर्री चौक स्थिति स्व. मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर प्रातः 7:30 बजे माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित कर फिट इंडिया शपथ ग्रहण किया जायेगा। इसके पश्चात विभिन्न खेलों एवं मनोरंजनात्मक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। जिसमें 29 अगस्त को शाम 04:00 बजे से प्रियदर्शिनी इंदिरा स्टेडियम, कोरबा में हॉकी, फुटबॉल, व्हॉलीबॉल एवं बास्केटबॉल सद्भावना मैच का आयोजन किया जाएगा। 30 अगस्त को इंडोर खेलों- किकबाक्सिंग, वूशु, कुडो एवं बॉक्सिंग तथा फिट्नेश टॉक, खेल से संबंधित विषयों पर वाद विवाद गतिविधियों का आयोजन एवं 31 अगस्त को संडे ऑन सायकल कार्यक्रम अंतर्गत सायकल रैली का आयोजन किया जाएगा, जिसमें आम नागरिक और खिलाड़ी शामिल होंगे।

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में जिले में युवाओं, महाविद्यालयों, संस्थानों, पंचायत स्तर के युवाओं एवं स्वयंसेवी संगठनों को जोड़कर संडे ऑन सायकल जैसे आयोजनों में बड़े पैमाने पर सहभागिता सुनिश्चित करने हेतु प्रेरित किया जायेगा।

कोरबा में एल्युमिनियम पार्क का रास्ता साफ़ कोरबा ताप विद्युत गृह की 105 हेक्टेयर जमीन उद्योग विभाग को हस्तांतरित करने की हरी झंडी

कोरबा, । कोरबा को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, वाणिज्य और उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन के प्रयासों से कोरबा में एल्युमिनियम पार्क की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हो गया है। उत्पादन कंपनी के बोर्ड ने कोरबा ताप विद्युत गृह की 105 हेक्टेयर जमीन उद्योग विभाग को हस्तांतरित करने की हरी झंडी दे दी है।

उद्योग मंत्री के प्रयासों से मिला लाभ

कोरबा के विधायक और उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने ही इस एल्युमिनियम पार्क का प्रस्ताव ऊर्जा और उद्योग विभाग को दिया था। उनके इस सशक्त प्रयास के बाद, वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में इसके लिए 5 करोड़ रुपए की घोषणा भी की गई थी। **चैंबर ऑफकॉमर्स और जिला उद्योग संघ की मांग हुई पूरी** जिला चैंबर ऑफ कॉमर्स और उद्योग संघ वर्षों से इस पार्क की मांग कर रहे थे। अब इसके बनने से एल्युमिनियम सेक्टर के छोटे-बड़े उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा, जिससे जिले में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

बढ़ती मांग और संभावित लाभ

आजकल एल्युमिनियम की खपत केवल विद्युत संयंत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह ऑफिस, बिल्डिंग, रेलवे, पैकेजिंग और वाहनों के निर्माण में भी बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हो रहा है। एल्युमिनियम पार्क की स्थापना से एक ही जगह पर इन सभी उत्पादों को बनाने की सुविधा उपलब्ध होगी, जिससे स्थानीय और बाहरी उद्योगपति कोरबा में निवेश करने के लिए आकर्षित होंगे। जमीन हस्तांतरण को मंजूरी उद्योग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने कहा, उत्पादन कंपनी के बोर्ड ने जमीन हस्तांतरण को हरी झंडी दे दी है। जल्द ही यह प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। एल्युमिनियम पार्क की स्थापना से लघु उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

कोरबा का मदहोश मास्टर! हेडमास्टर नशे में पहुंचा स्कूल

एजेंसी

कोरबा में सरकारी स्कूल का हेडमास्टर नशे की हालत में स्कूल पहुंच गया. जब उससे शराब पीकर स्कूल आने को लेकर सवाल पूछा गया तो हेडमास्टर ने कहा कि स्कूल पास में है, इसलिए आ गया हूं. साथ ही हेडमास्टर व्यूटीफुल की स्पेलिंग भी नहीं बताया.

छत्तीसगढ़ से एक बार फिर टीचर के शराब पीकर नशे में स्कूल पहुंचने का मामला सामने आया है. कोरबा में एक हेडमास्टर नशे में स्कूल पहुंच गया और कुर्सी पर सोता दिखा. जब हेडमास्टर से यह सवाल किया गया कि शराब पीकर स्कूल क्यों आए तो उसने कहा कि घर से स्कूल पास में है, इसलिए आ गया हूं. नशे की हालत में कुर्सी पर

हेडमास्टर आराम फरमाते भी दिखा. इसका वीडियो भी सामने आया है, जो अब वायरल हो रहा है. **सवालों के नहीं दे पाया जबाव** पूरा मामला करतला ब्लॉक के जर्वे प्राइमरी स्कूल का है. हेडमास्टर चंद्रपाल पैकरा नशे की हालत में कुर्सी पर दोनों पैर रखकर आराम फ रमाते दिखा. ग्रामीणों का कहना है कि हेडमास्टर पहले भी कई बार नशे में स्कूल पहुंच चुका है. हेडमास्टर से जब छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस को लेकर प्रश्न पूछे गए, तो मास्टर साहब जवाब नहीं दे पाए और न वो ब्यूटीफुल का स्पेलिंग बता पाए.

कार्यालय में फरमा रहे थे आराम

जानकारी के अनुसार, परसाभांठा प्राइमरी स्कूल में 46 बच्चे हैं. इसके अलावा स्कूल में दो कक्षाएं हैं. एक क्लास के बच्चों को शिक्षक देव प्रसाद बर्मन पढ़ा रहे थे. वही दूसरी क्लास में बच्चे मस्ती कर रहे थे. हेडमास्टर अपने कार्यालय में नशे की हालत में आराम फरमा रहे थे. ग्रामीणों का कहना है कि हेडमास्टर अक्सर शराब पीकर आता है.

सुरेश टप्पो CBI स्पेशल कोर्ट के जज व मयंक सोनी रेलवे कोर्ट के जज नियुक्त

बिलासपुर – छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने मंगलवार को दो अहम नियुक्तियों की घोषणा की। हाईकोर्ट ने अलग-अलग आदेश जारी कर सुरेश टप्पो (न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी, रायपुर) को सीबीआई स्पेशल कोर्ट का जज और मयंक सोनी (न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी) को रेलवे कोर्ट का जज नियुक्त किया है। सीबीआई स्पेशल कोर्ट का मुख्यालय रायपुर रहेगा। सुरेश टप्पो को उन मामलों की सुनवाई का अधिकार होगा, जिनका अन्वेषण सीबीआई (दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना) द्वारा किया गया हो। हालांकि, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 के अध्याय-3 के अंतर्गत आने वाले अपराध इसमें शामिल नहीं होंगे।

कार्यालय मुख्य अभियंता,
लो.नि.वि., राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र, रायपुर (छ.ग.)

दिनांक 25.08.2025

सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र	नि.आ.सू.क्र. दिनांक	सिस्टम आई डी क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत जी.एस.टी. सहित
1.	103/CE/NH/TC/44-80/2025	2025_MoRTH_874334_1	SHORT TERM MAINTENANCE CONTRACT (STMC) OF ROAD FROM KM 14.200 TO 51.00 & KM 55.700 TO 57.00 NH 30 (JAGDALPUR-SUKMA-KONTA ROAD).	Rs. 371.25 Lacs
2.	104/CE/NH/TC/44-81/2025	2025_MoRTH_874336_1	ROAD MAINTENANCE WORK ON KM. 465.00 TO 468.500,481,482,501,502,528.00 TO 531.00 IN PATTHALGAON TO KUNKURI ROAD NH- 43.	Rs. 23.44 Lacs

निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि सरल क्र. (1) हेतु दिनांक 15.09.2025 शाम 17.30 बजे तक एवं सरल क्र. (2) हेतु दिनांक 01.09.2025 शाम 17.30 बजे तक है।

2. उपरोक्त निर्माण कार्यो की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MORT&H's) के ई–प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eprocure.gov.in/eprocure/app से डाऊनलोड की जा सकती है।

मुख्य अभियंता
लो.नि.वि.,राष्ट्रीय राजमार्ग परिक्षेत्र,
रायपुर (छ.ग.)

G-252603084/7

सांसद श्रीमती ज्योत्सना महंत ने की योजनाओं की समीक्षा

अपनी जिम्मेदारी समझते हुए विकास के कार्यों को प्राथमिकता दें अधिकारी : सांसद

लोकशक्ति।

कोरबा । जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक लोकसभा सांसद श्रीमती ज्योत्सना चरणदास महंत की अध्यक्षता में कलेक्टोरेट सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में सांसद श्रीमती महंत ने कहा कि जिले के अधिकारी जनहित के कार्यो को प्राथमिकता दें और जनप्रतिनिधियों से समन्वय बनाकर जिले के विकास से जुड़ी हुई कार्यां को समय पर करायें ताकि संबंधित क्षेत्र के लोग उसका लाभ उठा सकें। उन्होंने का कि जो भी महत्वपूर्ण कार्य है, उन कार्यों के संबंध में संबंधित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को भी सूची दें और जनता जरूरत वाले कार्यों एवं मांग को अवगत कराये। सांसद श्रीमती महंत ने लोगो को बेहतर स्वास्थ्य, बच्चों को अच्छी शिक्षा,, पेयजल उपलब्धता के लिए जल जीवन मिशन के कार्यों को प्राथमिकता

से करने और दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में आवगमन के लिए बेहतर सड़क, आंगनबाड़ी केंद्रों में स्वच्छता और उपस्थिति, मनरेगा के कार्यों को समय पर पूर्ण करने, प्रधानमंत्री आवास योजना में जरूरतमंद हितग्राहियों को लाभान्वित करने की दिशा में सभी को समन्वय बनाकर कार्य करने के निर्देश दिए। सांसद श्रीमती महंत ने पूर्व बैठकों में दिए गए निर्देशों के पालन प्रतिवेदन की समीक्षा की। सांसद श्रीमती महंत ने कोरबा जिले में मनरेगा के कार्यों, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण योजना, जल जीवन मिशन के कार्यों की जानकारी तथा स्वास्थ्य विभाग अंतर्गत दूरस्थ क्षेत्रों में चिकित्सक तथा मरीजों के उपचार के लिए एंबुलेंस की तैनाती सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सांसद ने दिए गए लक्ष्य के अनुरूप मनरेगा के कार्यो को समय पर पूर्ण करने, पीएम आवास योजना में वंचित परिवारों के नाम जोड़ने, समय पर मजदूरी भुगतान के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने बारिश में क्षतिग्रस्त हुए सड़को के मरम्मत कराने, पात्र हितग्राहियों के नाम पेंशन योजना में जोड़ने, गांव में जल उपलब्ध कराने से पूर्व स्त्रोत का पता लगाकर टंकी का निर्माण कार्य करने, नगर पांचायत पाली में पेयजल आपूर्ति हेतु सैला डेम एवं खदान क्षेत्र में उपलब्ध पानी का उपयोग करने के संबंध में निर्देश दिए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग को मौसमी बीमारियों के रोकथाम के लिए सभी स्वास्थ्य केंद्रो में दवाइयों की उपलब्धता, रेबीज, सर्पदंश के उपचार के लिए एण्टी स्नेक, घायलों और पीड़ितों की आवश्यकताओं को देखते हुए जरूरत के समय एम्बुलेंस, पोस्टमार्टम की व्यवस्था के संबंध में निर्देश दिए गए। सांसद श्रीमती महंत ने कोरबा जिले में गंभीर दुर्घटनाओं के दौरान सिटी स्कैन और एमआरआई की आवश्यकताओं को देखते हुए जल्द प्रारंभ करने के निर्देश दिए। बैठक में पीमएश्री विद्यालयों में अधूरे पड़े निर्माण कार्यों को पूर्ण कराने, सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों के अनुपात में शिक्षक की व्यवस्था, किसानों को खाद तथा पीडीएस दुकानों में चना सहित अन्य खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर संबित मिश्रा ने जन सामान्य को एहतियात बरतने हेतु की अपील

पत्नीहंता को दस वर्ष का कारावास

जगदलपुर । पत्नी की हत्या के आरोपी पति तुलाराम को जिला एवं सत्र न्यायाधीश गोविंद नारायण जांगडे ने दस साल की सजा सुनायी है, साथ ही अदालत ने दोषी पर 100 रुपये का अर्थदंड भी लगाया। अर्थदंड अदा न करने की स्थिति में उसे एक माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। अदालत ने धारा 302 के स्थान पर आरोपी को धारा 304 (भाग-2) भादवि के तहत दोषी मानते हुए दस वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

शासन की ओर से पैरवी कर रहे लोक अभियोजक ने बताया कि घटना बडांजी थाना क्षेत्र की है। आरोपी तुलाराम बघेल पिता-लुदरू बघेल, निवासी- ग्राम-घाटधनोरा बाजारपारा के विरुद्ध थाना-बडांजी जिला बस्तर में धारा 302 भारतीय दण्ड संहिता भादवि के तहत मामला पंजीबद्ध कर न्यायालय में मामला दाखिल किया गया था, घटना 29 अप्रैल 2023 की है। मृतिका पदमा बघेल आरोपी की पत्नी अपने रिश्तेदारों के यहां दो दिनों से शादी में गई थी वहां से अत्यधिक शराब के नशे में अपने घर आई और अपने पति तुलाराम से खाना नहीं बनाने की बात को लेकर विवाद करने लगी, जिससे नाराज होकर पास पड़े लकड़ी के मुसर एवं बांस की छड़ी से अपनी पत्नी को मारा था जिससे उसकी मृत्यु हो गई थी। कोर्ट ने हत्या नहीं, गैरइरादतन हत्या माना

सुनवाई के दौरान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गोविंद नारायण जांगड़े ने पाया कि मृतका पदमा बघेल द्वारा अपने पति के लिए खाना बनाने से इंकार करने एवं अत्यधिक शराब के नशे में घर आने से आरोपी द्वारा तीव्र आवेश में विवाद की स्थिति में घटना अचानक हुई, इसलिए पूर्व नियोजित हत्या का आशय साबित नहीं हुआ।

प्रोजेक्ट वॉटर फॉर ऑल : हर नागरिक के लिए नि :शुल्क शुद्ध पेयजल अब सुनिश्चित

0 जिला प्रशासन द्वारा चलाया जा रहा अभियान

0 -9977222564 टोल फ्री नंबर पर की जा सकती है शिकायत

रायपुर, । मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के निर्देश पर जिला प्रशासन एवं नगर निगम रायपुर द्वारा वॉटर फॉर ऑल ङ्क नि:शुल्क शुद्ध पेयजल हर नागरिक का अधिकार अभियान चलाया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि हर होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, कैफे और खाद्य प्रतिष्ठानों में आने वाले ग्राहकों को बिना किसी शुल्क के स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। सभी खाद्य प्रतिष्ठानों में यह अनिवार्य किया गया है कि ग्राहकों को गैर-बोतलबंद शुद्ध पेयजल नि:शुल्क प्रदान किया जाए।

बोतलबंद पानी केवल तभी परोसा जाएगा जब ग्राहक स्वयं उसकी स्पष्ट माँग करेंगे।

कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में जनजागरूकता को बढ़ाने हेतु नगर निगम द्वारा सभी जोनों में टीमों के माध्यम से पोस्टर और स्टिकर लगाए जा रहे हैं। किसी भी प्रकार की समस्या या शिकायत के लिए नागरिक रायपुर जिला कॉल सेंटर 9977222564 पर संपर्क कर सकते हैं।

आदि कर्मयोगी अभियान के तहत जिला स्तरीय उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

0 धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत चिन्हित ग्रामों में स्थापित किए जाएंगे आदि सेवा केंद्र

जशपुरनगर, (आरएनएस)। जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार ने आज जिला पंचायत सभाकक्ष में प्रधानमंत्री जनमन योजना और धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान की समीक्षा की। इसके साथ ही आदि कर्मयोगी अभियान के तहत उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें प्रेजेंटेशन के माध्यम से इनके क्रियान्वयन एवं इसके महत्व के बारे में जानकारी दी गई। विदित हो कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 02 अक्टूबर, 2024 को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान का शुभारंभ किया गया था। जिसका उद्देश्य अनुसूचित जनजातियों के विकास एवं कल्याण से जुड़े हुए प्रमुख योजनाओं की संतृप्ति सुनिश्चित करना है। इसी के अनुक्रम में भारत सरकार, जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा 10 जुलाई 2025 को आदि कर्मयोगी अभियान का शुभारंभ किया गया है, जिसकी परिकल्पना विश्व के सबसे बड़े जनजाति नेतृत्व आंदोलन के रूप में की गई है। यह अभियान बहु-विभागीय समन्वय और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से लागू किया जा रहा है। यह अभियान कैडर आधारित मॉडल एवं अंतर विभागीय अभिसरण पर आधारित है, जो कि उत्तरदायी शासन एवं योजना निर्माण को संस्थागत रूप देना है। बैठक में जानकारी दी गई कि धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत जिले में 417 ग्रामों को शामिल किया गया। इन ग्रामों में आदि कर्मयोगी अभियान के तहत आदि सेवा केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इस सेवा केंद्रों में 20 से 25 की संख्या में आदि साथी व आदि सहयोगी में नाम से सदस्य नियुक्त किए जाएंगे। इसमें से एक सदस्य को कप्तान बनाया जाएगा जो कि नोडल के रूप में कार्य करेगा। इन सदस्यों में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, स्व सहायता समूह के सदस्य, गांव के वरिष्ठ नागरिक और आदिवासी समाज के प्रतिनिधि शामिल रहेंगे। इन सेवा केंद्रों में विभाग से संपर्क का विवरण,सभी योजनाओं की जानकारी,शिकायत निवारण पंजी की स्थापना ,सरकारी टीमों के लिए संयुक्त भ्रमण पंजी रहेगी।

दक्षिण कोरिया के कोरिया इंटरनेशनल ट्रेड एसोसिएशन KITA से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सार्थक मुलाकात

निवेश, तकनीकी सहयोग और स्किलिंग से छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास को नई दिशा देने पर हुई चर्चा

रायपुर। निवेश, तकनीकी सहयोग और स्किलिंग से छत्तीसगढ़ के औद्योगिक विकास को नई दिशा देने पर हुई चर्चा

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज सियोल में दक्षिण कोरिया के सबसे बड़े व्यापार संगठन कोरिया इंटरनेशनल ट्रेड एसोसिएशन (KITA) के चेयरमैन श्री जिन सिक युन और वाइस प्रेसिडेंट श्री किम की ह्यून से मुलाकात की। 77,000 से अधिक सदस्यों वाला यह संगठन एशिया का अग्रणी व्यापारिक मंच है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नीति 2024ङ्क30, प्राकृतिक संसाधनों और कुशल मानव संसाधन की ताकत को रेखांकित करते हुए निवेश, तकनीकी हस्तांतरण और स्किलिंग के क्षेत्र में संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ÷दक्षिण कोरिया के साथ हमारे संबंध केवल व्यापारिक नहीं बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक भी हैं। आज के इस संवाद से छत्तीसगढ़ और कोरिया के बीच निवेश, तकनीकी सहयोग और कौशल विकास के नए द्वार खुलेंगे। इससे छत्तीसगढ़ के युवाओं को आधुनिक उद्योगों में अवसर प्राप्त होंगे और प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति मिलेगी।÷

उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार निवेशकों को सुगम वातावरण, त्वरित स्वीकृतियाँ और आवश्यक आधारभूत संरचना उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि KITA के साथ यह सहयोग छत्तीसगढ़ को वैश्विक औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगा।

बैठक के दौरान KITA के चेयरमैन श्री जिन सिक युन और वाइस प्रेसिडेंट श्री किम की ह्यून ने भी छत्तीसगढ़ की निवेश-अनुकूल नीतियों और संसाधनों में गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कोरियाई कंपनियाँ छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं को लेकर उत्साहित हैं और आने वाले समय में साझेदारी के ठोस कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस सहयोग से छत्तीसगढ़ के किसानों, श्रमिकों और स्थानीय उद्यमियों को प्रत्यक्ष लाभ होगा। खाद्य प्रसंस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, स्टील और नवीकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में निवेश से रोजगार के हजारों अवसर सृजित होंगे। साथ ही, तकनीकी हस्तांतरण से स्थानीय उद्योगों की गुणवत्ता और प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ न केवल प्राकृतिक संसाधनों से संपन्न है, बल्कि यहाँ का युवा वर्ग मेहनती और कुशल है। कोरियाई कंपनियों के साथ जुड़कर उन्हें स्किलिंग और तकनीकी प्रशिक्षण के नए अवसर मिलेंगे, जिससे प्रदेश की मानव संसाधन क्षमता वैश्विक स्तर पर मजबूत होगी।यह साझेदारी प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई ऊँचाइयों तक ले जाएगी और आने वाले वर्षों में छत्तीसगढ़ आत्मनिर्भरता और वैश्विक साझेदारी का आदर्श उदाहरण बनेगा।

साधारण वाद विवाद पर चला टंगिया, उतारा मौत के घाट

दुर्ग। ईंट भट्ठा चंगोरी के मुंशी किशन लाल साहू की उसी भट्ठे में काम करने वाले तीन मजदूरों ने की हत्या। आरोपियों से घटना में प्रयुक्त टंगिया, कपड़े, शराब की बोतल जप्त। एक नाबालिग सहित तीनों आरोपी गिरफ्तार भेजे गये न्यायिक रिमांड पर मामले का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है कि पुलिस चौकी अंजोरा थाना पुलगांव जिला-दुर्ग में दिनांक 26/08/2025 को थाना दुर्ग से मृतक किशन लाल साहू ईंट भट्ठा चगोरी का गिरकर सिर में चोट लगने से उपचार दौरान मृत्यु होने से थाना दुर्ग में शून्य मर्ग पंजीबद्ध कर अग्रिम जांच कार्यवाही हेतु थाना पुलगांव को प्राप्त होने पर नंबरी पश्चात् मर्ग जांच प्रारंभ की गई। मर्ग जांच पर पाया गया कि दिनांक 24/08/2025 के रात्रि करीब 20/30 बजे घटना स्थल शिवलाल चकधारी का ईंट भट्ठा लेबर क्वार्टर आफिस के पीछे ग्राम चंगोरी जिला-दुर्ग में अज्ञात व्यक्ति के द्वारा मृतक किशन लाल साहू को हांथ मुक्का एवं धारदार किसी वस्तु से सिर एवं शरीर में प्राण घातक हमला कर शरीर में गंभीर चोटे पहुंचाये जिनकी ईलाज के दौरान दिनांक 25/08/2025 को सुबह 05/18 बजे शासकीय अस्पताल दुर्ग में मृत्यु होना तथा अज्ञात आरोपी के द्वारा धारा 103 बीएनएस का अपराध घटित करना पाये जाने पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध धारा सदर का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।

राज्य में अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाई और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा होगी स्थापित: कृषि मूल्य श्रृंखला और रोजगार को मिलेगा नया आयाम

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने ओसाका की एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित कियामुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने ओसाका की एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित कियामुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने ओसाका की एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान ओसाका स्थित एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कंपनी को छत्तीसगढ़ में अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाई तथा उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा स्थापित करने का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ये परियोजनाएँ न केवल कृषि मूल्य श्रृंखलाओं को मज़बूत करेंगी बल्कि उच्च-तकनीकी विनिर्माण को भी प्रोत्साहित करेंगी और राज्य के युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर नए रोजगार अवसर सृजित करेंगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण, सुगम प्रक्रिया और प्रत्येक स्तर पर सहयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आशा व्यक्त की कि एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड की प्रस्तावित खाद्य प्रसंस्करण इकाई से किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा और कृषि आधारित उद्योगों को नई मजबूती प्राप्त होगी। साथ ही, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा राज्य को उच्च-तकनीकी उत्पादन का नया केंद्र बनाएगी और युवाओं को आधुनिक उद्योगों से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगी।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने विश्वास जताया कि ये निवेश परियोजनाएँ आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को न केवल देश में बल्कि वैश्विक स्तर पर भी उद्योग और निवेश का प्रमुख केंद्र बनाएंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता जनता की समृद्धि, युवाओं का भविष्य और निवेशकों का विश्वास है, और इसी संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

इंद्रावती को सोने की नाव और चांदी की पतवार भेंट

ग्रामदेवी जलनी आया से मांगी गई नवाखानी तिहार मनाने की अनुमति

700 वर्षों से परंपरा निभाते आ रहे हैं ग्रामीण

जगदलपुर। बस्तर संभाग का इतिहास विचित्र, मगर मनभावन परंपराओं से भरा हुआ है। यहां के आदिवासी अपने हर काम की शुरुआत ग्राम देवी- देवताओं की पूजा आराधना कर और विधिवत अनुमति लेकर की जा रही है। संभाग में एक गांव ऐसा भी है, जहां के लोग जीवनदायिनी इंद्रावती नदी को देवी तुल्यमानते हैं और हर साल उसे सोने की नाव एवं चांदी की पतवार भेंट करते हैं, फिर ग्राम देवी जलनी आया की पूजा कर उनसे नवाखानी त्यौहार मनाने की अनुमति मांगते हैं। जलनी आया और मां इंद्रावती को बकरा, मुर्गा, मुर्गी, विशेष किस्म के धान की बालियां समर्पित करते हैं। इसके बाद ही ग्रामीण नवाखानी त्यौहार मनाते हैं। यह परंपरा 700 सालों से साल दर साल अनवरत चलती आ रही है। इस साल भी इस परंपरा का निर्वहन किया गया।

अपनी प्राचीन परंपराओं पर कायम यह गांव है बस्तर संभाग के बीजापुर जिले का ग्राम देवी घाटकवाली। इंद्रावती नदी के किनारे बसा ग्राम घाटकवाली अपनी शानदार रूढ़िवादी परंपराओं के लिए प्रसिद्ध है। बीजापुर जिला मुख्यालय से महज दस किलोमीटर दूर इंद्रावती नदी के तट पर बसे घाटकवाली गांव में नवाखानी त्यौहार मनाने से पहले इस साल भी में प्राणदायिनी इंद्रावती नदी को सोने की नाव और चांदी की पतवार भेंट की गई गांव गोसिन यानि गांव की मालकिन ग्राम देवी जलनी आया से नवाखानी तिहार मनाने के लिए अनुमति मांगी गई। घाटकवाली बहुत पुराना गांव है। इंद्रावती नदी ही यहां के किसानों और ग्रामीणों के जीवन का आधार है। पुरखों से चली आ रही प्रथा के अनुसार नदी किनारे घाटकवाली के सैकड़ो ग्रामीण जुटते हैं। अपनी प्राणदायिनी मां इंद्रावती को सोने की नाव और चांदी की पतवार भेंट की। ग्राम देवी जलनी आया की छत्र की ग्राम पुजारी मंगतू राम कश्यप ने सेवा अर्जी की। और गांव के ग्रामीण नदी किनारे पहुंचे जहां सेवा अर्जी विधान के बाद सोने की नाव, चांदी की पतवार, सफेद बकरा, चोका मुर्गा, चोकी मुर्गी , 60 दिनों में तैयार होकर पकाने वाले साठका धान की बालियां और लांदा आदि इंद्रावती नदी तथा जलनी आया को भेंट कर गांव में नया खानी तिहार मनाने के लिए अनुमति मांगी गई।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बढ़ाया मदद का हाथ

गंभीर बीमारियों से जूझ रहे 72 मरीजों को मिली 2.85 करोड़ की विशेष सहायता

रायपुर। संवाददाता। जीवन में किसी एक सदस्य की गंभीर बीमारी पूरे परिवार को संकट में डाल देती है। इलाज के खर्चे जब लाखों में पहुँच जाते हैं तो आमजन के लिए यह बोझ असहनीय हो जाता है। ऐसे समय में सरकार द्वारा संचालित आयुष्मान भारत योजना बड़ी राहत देती है, जिसके तहत 5 लाख रुपये तक का नि:शुल्क इलाज संभव है, लेकिन जब बीमारी का खर्च इस सीमा से भी अधिक हो जाता है, तब मरीज और परिवार चिंता में घिर जाते हैं।

इसी विकट परिस्थिति में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने संवेदनशील पहल करते हुए मदद का हाथ आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना के तहत जशपुर जिले के 72 गंभीर रूप से बीमार मरीजों के उपचार के लिए

2 करोड़ 85 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत की गई है। यह राशि सीधे संबंधित अस्पताल के बैंक खाते में चेक या एनईएफटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई है।

इस राशि से मरीजों को कैंसर, बोन मैरो ट्रांसप्लांट, किडनी ट्रांसप्लांट जैसे जटिल व महंगे उपचार कराने में मदद मिली। समय पर सहायता पहुँचने से मरीजों का जीवन सुरक्षित हो सका और उनके परिवारों को भी बड़ी राहत मिली। मरीजों और परिजनों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के इस कदम के लिए आभार जताया है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. जी. एस. जात्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री विशेष सहायता योजना का लाभ लेने के लिए निर्धारित आवेदन पत्र भरकर आवश्यक दस्तावेजों के साथ जमा करना होता है। आवेदन पत्र सीएमएचओ कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। इसके साथ मरीज का आधार कार्ड,बीमारी से संबंधित चिकित्सकीय दस्तावेज,जिस अस्पताल में उपचार कराया जाना है, वहां से जारी प्राकलन (स्टिमेट) रिपोर्ट देना जरूरी है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आदिवासी बहुल जशपुर जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार और सुधार के लिए विशेष प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने की घोषणा की गई है, जिसके लिए बजट भी जारी कर दिया गया है। जमीन का चयन हो चुका है और कॉलेज की स्थापना की प्रक्रिया तेज़ी से आगे बढ़ रही है। इसके अलावा अस्पतालों में भौतिक संसाधनों और विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता बढ़ाने की दिशा में भी कदम उठाए जा रहे हैं। इन प्रयासों से जिलेवासियों को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त होंगी।

ठगी के दो मामलों में वांछित आरोपी झारखंड से गिरफ्तार, भेजा गया जेल

जशपुर । जशपुर पुलिस को ठगी के दो मामलों में लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। आरोपी अंशु उर्फरोहित अग्रवाल को झारखंड के गुमला से पकड़कर जशपुर लाया गया और न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी अंशु अग्रवाल (उम्र 25 वर्ष), निवासी घाटो बगीचा, पालको रोड, गुमला (झारखंड), ने दो व्यापारियों से कुल 38.80 लाख रुपये की ठगी की थी। इन मामलों में आरोपी के खिलाफ थाना सन्ना और थाना पत्थलगांव में भारतीय न्याय संहिता (ब्नहस्) की धारा 318(4) और 3(5) के तहत अपराध पंजीबद्ध है।

चावल और मक्का व्यापारी से की ठगी

प्राप्त जानकारी के अनुसार, सन्ना निवासी संतकुमार यादव ने शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपी ने खुद को चावल व्यापारी बताकर 80 हजार रुपये ऑनलाइन मंगवाए, लेकिन चावल नहीं भेजा। इसी तरह पत्थलगांव के एक व्यापारी से मक्का की फसल के अच्छे दाम दिलाने के नाम पर करीब 38 लाख रुपये का माल ले लिया गया, लेकिन भुगतान नहीं किया गया। इन दोनों मामलों में पुलिस पहले ही एक अन्य आरोपी मिथलेश साहू को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। अंशु अग्रवाल घटना के बाद से ही फरार चल रहा था। तकनीकी मदद से हुई गिरफ्तारी

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में एक विशेष टीम गठित की गई थी, जिसने तकनीकी निगरानी और मुखबिर तंत्र की सहायता से आरोपी की लोकेशन का पता लगाया। आरोपी को गुमला जिले में स्थित पालको रोड के पास से घेराबंदी कर पकड़ा गया। पुलिस ने उसके कब्जे से मोबाइल फोन भी जब्त किया है। पूछताछ में आरोपी ने अपराध स्वीकार कर लिया है और उसके खिलाफपर्याप्त साक्ष्य मिलने पर उसे विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। **संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।**
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily **कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल** (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)